www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

अपनों पर भी उतना ही विश्वास रखो जितना दवाईयों पर रखते हो.!!

# मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-49 ❖ मुंबई ❖ रविवार 29 नवंबर से 05 दिसंबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

NCP विधायक भरत भालके का निधन, पिछले महीने कोरोना से हुए थे संक्रमित

पेज 5

'लव जिहाद' के खिलाफ बिल को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दी मंजूरी

पेज 7

कियारा आडवाणी की फिल्म इंदू की जवानी पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, जानें पूरा मामला

पेज 8

जल्द आए वैक्सीन!... ईश्वर से उपमुख्यमंत्री ने की प्रार्थना

## मनपा ने दिव्यांगों को छोड़ा बेसहारा'

मीरा-भाईदर, प्रधानमंत्री लगातार दिव्यांगजनों पर विशेष ध्यान देने की बात करते हैं। राज्य शासन ने भी दिव्यांगों को लाभान्वित करने के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा कर रखी है। लेकिन मीरा-भाईंदर में ये योजनाएं सिर्फ कागजों तक सिमट कर रह गई हैं। दिव्यांगों के प्रति मनपा के ढुलमुल रवैये के कारण दिव्यांगों ने शुक्रवार को एमबीएमसी के बाहर प्रदर्शन किया। प्रहार अपंग संगठन के अध्यक्ष बापूराव काणे ने बताया कि दिव्यांगों के लिए केंद्र और

राज्य सरकार के क्रमशः 'दिव्यांग अधिकार अधिनियम-2016' और 'दिव्यांग नीति-2018' के अनुसार मनपा द्वारा अपनी निधि का 5% इस्तेमाल करने का प्रावधान है, लेकिन मनपा इस पर अमल नहीं करती है। काणे बताते हैं कि नियमानुसार दिव्यांगों के लिए कौशल्य योजना, शैक्षणिक सुविधाएं और छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य, पुनर्वसन इत्यादि का प्रावधान है।

# महाराष्ट्र में 31 दिसंबर तक बढ़ा लॉकडाउन मुंबई में 1,074 मरीज, 17 की मौत

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार ने 31 दिसंबर की आधी रात तक लॉकडाउन बढ़ा दिया है। इससे नए साल का जश्न फीका पड़ सकता है। हालांकि नियमों में छूट देने के साथ कुछ दिशानिर्देश भी महाराष्ट्र सरकार ने जारी किए हैं। माना जा रहा है कि दिसंबर के पहले सप्ताह में सरकार किछ रियायतों को खत्म कर सकती है। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने 22 मार्च को देश में लॉकडाउन लगा दिया गया था।

मिशन बिगिन अगेन के तहत लॉकडाउन में कई तरह की रियायतें ठाकरे सरकार समय-समय पर देती रही है। पिछली बार

5 नवंबर को दी गई राहत के तहत सिनेमाघर, योग संस्थान, मल्टिप्लेक्स और थिएटर खोलने की मंजूरी दी गई थी। हालांकि कंटेनमेंट जोन में किसी तरह की ढील नहीं थी। महानगर में शुक्रवार को कोरोना के 1,074 मरीज मिले, जबकि 313 मरीज डिस्चार्ज हुए। इस दिन 17 लोगों की मौत हुई। यहां कोरोना से मरनेवालों की संख्या 10,756 हो गई है।

राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के 6,185 नए मामले आए, जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 18,08,550 हो गई। राज्य में संक्रमण से 85 और लोगों की मौत हुई, जिससे राज्य में मरने वालों की संख्या 46,898 हो गई है।

सफल उपचार के बाद 4,089 लोगों को अस्पताल को छुट्टी दी गई। अब ठीक हो चुके मरीजों की संख्या 16,72,627 हो गई है। 87,969 मरीजों का इलाज चल रहा है।

## शहीद की अश्रुपूर्ण विदाई

### राजकीय सम्मान के साथ जलगांव में हुआ शहीद यश का अंतिम संस्कार, महाराष्ट्र सरकार देगी एक करोड़ की सहायता राशि

26 नवंबर को श्रीनगर में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए पिंपलगांव के यश दिगंबर देशमुख (21) का पूरे राजकीय सम्मान के साथ शनिवार को अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे गांव में एक तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। इस दौरान सड़कों के किनारे खड़े लोग रोते हुए नजर आए। उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए जिले के गार्जियन मंत्री गुलाबराव पाटिल, कृषि मंत्री दादा भूसे, स्थानीय सांसद उन्मेष पाटिल, विधायक मंगेश चव्हाण भी मौजूद थे। शहीद यश दिगंबर देशमुख (21) का पार्थिव शरीर शुक्रवार रात विशेष विमान से नासिक लाया गया। यहां से विशेष वाहन में इसे शनिवार सुबह 9 बजे चालीसगांव के पिंपलगांव लाया गया। तकरीबन तीन घंटे तक लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रखे पार्थिव को दोपहर एक बजे के आसपास अग्नि में प्रवाहित कर दिया गया। शहीद के पार्थिव को तिरंगे में लपेट कर रखा गया था। शहीद को विदाई देने के लिए सेना के कई बड़े अधिकारी भी नासिक से उनके गांव आये थे।

## 26/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड पर अमेरिका ने रखा 50 लाख डॉलर का इनाम

नई दिल्ली। 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमले (26/11) के 12 साल बाद अमेरिका ने मास्टर माइंड साजिद मीर पर 50 लाख डॉलर (करीब 37 करोड़ रुपए) का ईनाम घोषित किया है। साजिद मीर हाफिज सईद के आतंकी संगठन लश्कर ए तैयाबा का कमांडर है। 'यूएस रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस प्रोग्राम' की तरफ से इस बारे में बयान जारी किया गया है। इसमें कहा गया- साजिद मीर पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी है और 26/11 हमले में उसका हाथ था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 लाख डॉलर का ईनाम घोषित किया जाता है। जस्टिस प्रोग्राम की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि साजिद मीर हमले का ऑपरेशन मैनेजर था। उसने ही हमलों की प्लानिंग, तैयारी और इन्हें अंजाम दिया था। 21 अप्रैल 2011 को शिकागो की एक अदालत ने साजिद मीर को आरोपी घोषित किया था। उस पर विदेशी सरकारों के खिलाफ साजिश रचने, उन्हें नुकसान पहुंचाने, आतंकियों की मदद करने और अमेरिकी नागरिकों की हत्या के आरोप हैं। 2011 में ही उसके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया। तबसे वो फरार था। उसके बाद साल 2019 में FBI की मोस्ट वॉन्टेड टेरेरिस्ट लिस्ट में शामिल कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर, 2008 को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर के ट्रेंड 10 आतंकवादियों ने मुंबई में ताजमहल होटल, ओबेरॉय होटल, लियोपोल्ड कैफे, नरीमन हाउस और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस पर हमले किए थे। इसमें 166 लोगों की जान चली गई थी। मरने वालों में कुछ अमेरिकी नागरिक भी थे। इस हमले में पुलिस कार्रवाई में 9 आतंकी मारे गए थे जबकि कसाब को जिंदा पकड़ा गया था। बाद में कसाब को 11 नवंबर 2012 को पुणे की सेंट्रल जेल में फांसी दी गई थी।

# किसानों के समर्थन में आए गरीबों के मसीहा सोनू सूद, ट्वीट कर कही ये बात

नई दिल्ली। कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हरियाणा-पंजाब के किसानों को अब कोरोना वायरस लॉकडाउन में गरीबों का मसीहा बने बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद का भी समर्थन मिल गया है। अभिनेता सोनू सूद ने किसानों के सपोर्ट में एक ट्वीट कर कहा कि किसान मेरा भगवान। सोनू सूद का यह ट्वीट अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। किसानों को समर्थन करने को लेकर कई लोगों ने सोनू सूद की प्रशंसा भी की है। किसानों को मिला गरीबों के 'मसीहा' का साथ

गौरतलब है कि कोरोना वायरस संकट के बीच संसद के मानसून सत्र में पारित किए गए तीन कृषि कानूनों को लेकर पंजाब-हरियाणा समेत कई राज्यों के किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। गुरुवार को शुरू हुआ उत्तर भारत में किसानों का विरोध एक अलग मोड़ ले रहा है और मजबूत होता जा रहा है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो और फोटो वायरल हुए हैं जिससे किसानों की दुर्दशा का पता चलता है। इस बीच किसानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर बॉलीवुड से भी रिएक्शन आने शुरू हो गए हैं। किसान मेरा भगवान'

कोरोना वायरस पर नियंत्रण के लिए लगाए गए लॉकडाउन में हजारों प्रवासी मजदूरों की मदद करने वाले एक्टर सोनू सूद एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सोनू सूद इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और एक्टर द्वारा लोगों की मदद करने का सिलसिला आज भी जारी है। किसान विरोध प्रदर्शन को लेकर हाल ही में उन्होंने एक ट्वीट किया जो कि अब वायरल हो गया है। सोनू सूद ने उत्तर भारत के किसानों के प्रति अपना समर्थन जाहिर करते हुए उन्होंने लिखा, 'किसान मेरा भगवान'। सोनू के अलावा इन सेलिब्रिटीज ने किया समर्थन

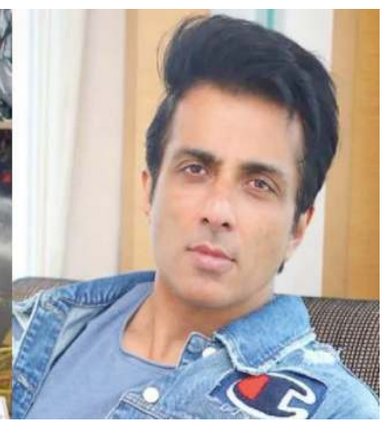

आपको बता दें कि विरोध कर रहे किसानों को बॉलीवुड से सोनू सूद के अलावा कई और हस्तियों का समर्थन प्राप्त हुआ है। बॉलीवुड डायरेक्टर ओनिर और स्वरा भास्कर जैसे सेलिब्रिटीज और बिजनेसमैन तहसीन पूनावाला ने भी किसानों को लेकर ट्वीट किया और उनका समर्थन कर चुके हैं। इनके अलावा पंजाब के कलाकार एमि विर्क, जैजी बी भी किसानों के समर्थन में पोस्ट साझा करते हुए नजर आए।

# दिल्ली सरकार के 50 फीसदी कर्मचारी करेंगे घर से काम

नई दिल्ली, दिल्ली सरकार के ऑफिसों में 50 फीसदी स्टाफ के साथ काम करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है और राजस्व विभाग ने इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए उपराज्यपाल के पास भेजा है। ऑफिसों में सोशल डिस्टेंसिंग को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने तय किया है कि ग्रेड-1 और इससे ऊपर रैंक के अधिकारियों को छोड़कर बाकी 50 फीसदी स्टाफ को ही बुलाया जाए और एचओडी यह तय करें कि आधे लोग घर से काम करें और बाकी को दफ्तर बुलाया जाए। एचओडी को शेड्यूल तैयार करना होगा। स्वास्थ्य विभाग, पुलिस समेत जरूरी सेवाओं में नहीं लागू होगा यह प्रस्ताव

राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की 25 नवंबर को जारी की गई गाइडलाइंस के मुताबिक सरकारी दफ्तरों में सीमित स्टाफ के साथ काम करने को लेकर यह प्रस्ताव तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार कोरोना से लड़ाई में सभी जरूरी कदम उठा रही है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग और इससे जुड़े मेडिकल एस्टेबिलिशमेंट, पुलिस, जेल स्टाफ, होम गार्ड्स, सिविल डिफेंस, इमरजेंसी सेवाओं, डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन, सफाई, पानी, बिजली, आपदा प्रबंधन समेत कोरोना से लड़ाई में जरूरी सेवाओं में लगे कर्मचारियों पर यह प्रस्ताव लागू नहीं होगा। जरूरी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में काम करने वाले कर्मचारियों को इस प्रस्ताव के तहत कोई छूट नहीं मिलेगी। जो कर्मचारी जरूरी सेवाओं में लगे हैं, उनके लिए 100 फीसदी हाजिरी का नियम ही लागू रहेगा। दिल्ली सरकार का प्रस्ताव,

### एलजी को भेजा गया प्रस्ताव

50 फीसदी वर्क फ्रॉम होम

दिल्ली सरकार ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि दिल्ली सरकार के ऑफिसों, स्वायत्त संस्थाओं, पीएसयू, कॉरपोरेशन, लोकल बॉडीज में ग्रेड-1 और उससे ऊपर रैंक के सभी अधिकारी ऑफिस अटेंड करेंगे यानी इनके लिए 100 फीसदी हाजिरी का नियम रहेगा। लेकिन बाकी स्टाफ में से 50 फीसदी को बुलाया जाएगा। एचओडी शेड्यूल तय करेंगे कि किन अधिकारियों को कौन से दिन ऑफिस बुलाया जाएगा। दिल्ली सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के 25 नवंबर को जारी निर्देशों के मुताबिक सरकारी ऑफिसों में सोशल डिस्टेंसिंग को और बेहतर तरीके से लागू करने को देखते हुए यह प्रस्ताव तैयार किया है। केंद्र की गाइडलाइंस कहती है कि जिन स्टेट में वीकली पॉजिटिव रेट 10 फीसदी या ज्यादा है तो वहां पर सरकार कुछ बंदिशें लागू कर सकती है। हालांकि दिल्ली में 19 से 23 नवंबर के बीच पॉजिटिव रेट 10 से ज्यादा रहा था लेकिन अब 25 नवंबर को संक्रमण दर 10 से कम है।

नई व्यवस्था को 31 दिसंबर तक लागू रखने का प्रस्ताव

दिल्ली सरकार ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि नई व्यवस्था 31 दिसंबर तक लागू रहें। हालांकि अगर स्थिति में कुछ बदलाव होता है तो सरकार नया आदेश जारी करेगी। स्वास्थ्य सेवाओं, इमरजेंसी सेवाओं, पुलिस, होम गार्ड्स, पे अंड अकाउंट ऑफिस, बिजली, पानी, डिस्ट्रिक्ट एडिमिनिस्ट्रेशन से जुड़ी सर्विसेज, एनआईसी, एनसीसी और म्यूनिसिपल सर्विसेज समेत सभी जरूरी सेवाओं को इस प्रस्ताव से बाहर रखा गया है यानी इन कर्मचारियों पर यह आदेश लागू नहीं होगा। जरूरी सेवाओं से जुड़े सभी कर्मचारियों को अपने काम पर आना होगा। दिल्ली सरकार ने कहा है कि जरूरी सेवाओं में किसी भी तरह की कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी।

प्राइवेट ऑफिसों को भी सलाह

दिल्ली सरकार ने अपने प्रस्ताव के जरिए प्राइवेट संस्थाओं और ऑफिसों को भी सलाह दी है कि वे ऑफिसों में सोशल डिस्टेंसिंग के नियम को सख्ती से लागू करवाएं। एक समय पर सभी कर्मचारियों को ऑफिस न बुलाया जाए। प्राइवेट ऑफिस भी वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा दें और जहां तक संभव हो, कर्मचारियों को घर से काम करने की इजाजत दी जाए। शादियों में 50 लोगों के शामिल होने का आदेश अभी लागू रहेगा।

## मॉडल बनने के लिए घर से भागी नाबालिग, टू कॉलर से मिली जानकारी, पकड़ी गई

ग्लैमर की चकाचौंध हर किसी को अपनी ओर खींचती है। इस ग्लैमर के चक्कर में कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। मॉडल बनने के लिए एक नाबालिग लड़की डेढ़ वर्ष पहले घर से भाग गई थी। अब जाकर पुलिस को इस लड़की के ठिकाने का पता चला। गत वर्ष नालासोपारा इलाके से लड़की के अपहरण होने की शिकायत उसके परिजनों ने पुलिस थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नालासोपारा में रहने वाली प्रियंका (नाम बदला हुआ) मॉडल बनने के लिए घर से डेढ़ वर्ष पहले भाग गई थी। परिजनों ने तुलिंज पुलिस थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था, लेकिन पुलिस ने मामले को संज्ञान में नहीं लिया। इसके बाद लड़की के परिजनों ने वसई-विरार, मीरा-भायंदर के नवनिर्वाचित आयुक्त सदानंद दाते से आपबीती बताई।

# किसानों की सुने सरकार

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि संबंधी तीन महत्वपूर्ण कानूनों के विरोध में आंदोलन कर रहे किसानों के दिल्ली कूच ने राजधानी के आसपास विकट स्थिति पैदा कर दी है। इस मामले में सरकार के रवैये पर शुरू से सवाल खड़े किए जाते रहे हैं। पहले दिन से ही यह बात साफ थी कि किसानों में इन कानूनों को लेकर जबर्दस्त आशंका और विरोध है। ऐसे में कानून लाने से पहले व्यापक संवाद के जरिए उनकी आशंकाएं दूर करने की कोशिश की जानी चाहिए थी। पता नहीं किस हड़बड़ी में सरकार ने कोरोना और लॉकडाउन की दोहरी चुनौतियों के बीच सारे विरोध की अनदेखी करते हुए ये कानून बनाकर लागू भी कर दिए। इससे इस धारणा को बल मिला कि कोरोना से बने हालात का फायदा उठाकर सरकार इन्हें किसानों पर लाद देना चाहती है। इस समझ का ही नतीजा है कि दिल्ली की ओर बढ़ते किसानों पर इस अपील का कोई असर नहीं हुआ कि कोरोना के कारण लागू धारा

144 के बीच राजधानी पहुंचने की जिद उन्हें नहीं करनी चाहिए। दूसरी बात यह कि सरकार कानून के शब्दों की अपनी व्याख्या के आधार पर ही सारी आशंकाओं को झुठलाने का प्रयास करती रही। इस मामले में शब्द और उसके व्यावहारिक अर्थ के बीच दिख रहे अंतर पर ध्यान देना उसे जरूरी नहीं लगा।

सरकार कहती है कि खरीद-बिक्री की मौजूदा व्यवस्था में किसी तरह के बदलाव की बात नया कानून नहीं करता। लेकिन कंपनियों की खरीदारी से अपना धंधा कम रह जाने के डर से कई जगहों पर आढ़तियों ने अपने हाथ खींचने शुरू कर दिए। इसके चलते कई सरकारी खरीद केंद्र ठप हो गए और कुछ जगहों पर कागज-पत्तर को लेकर सख्ती बढ़ जाने के चलते किसानों को अपना धान न्यूनतम समर्थन मूल्य की आधी कीमतों पर निजी व्यापारियों के हाथों बेचना पड़ा। जिस कानून का मकसद बाजार में कॉम्पिटिशन बढ़ाकर किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने वाले हालात पैदा करना बताया गया था, वह हकीकत में किसानों को बड़े व्यापारियों के हाथ का खिलौना बना रहा है। घनघोर जाड़े-गर्मी में भी अपने खेत में ही मरता-खपता रहने वाला भारत का किसान राशन-पानी बांधकर देश की राजधानी में ही डेरा डालने की मनोदशा में पहुंच जाए, यह कोई मामूली बात नहीं है। ऐसे में किसानों को आंसू गैस के गोलों और बदबूदार ठंडे पानी की बौछारों से रोकने की कोशिश बचकानी और बेहद खतरनाक है। जरूरी है कि सरकार हर संभव स्तर पर किसान नेताओं से बातचीत शुरू करे, कम से कम अपने इरादे को लेकर उनका भरोसा हासिल करे और कृषि विशेषज्ञों के जरिये तीनों कानूनों के जमीनी असर का अध्ययन कराए। इस अध्ययन की अनुशंसाएं अगर किसानों को अपनी भलाई में जाती दिखें तो संसद के बजट सत्र में इसकी रिपोर्ट पेश करके आगे का रास्ता

# हड़ताल की नौबत

संजय शर्मा

कोरोना के समय जब हमारी अर्थव्यवस्था का आकार घट रहा हो, हम तकनीकी रूप से मंदी के दौर से गुजर रहे हों, तब भारतीय बैंकों में हड़ताल दुखद और चिंताजनक है। ऑल इंडिया बैंक इंप्लाइज एसोसिएशन ने 26 नवंबर को एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है, जिसमें दस केंद्रीय ट्रेड यूनियन से जुड़े कर्मचारी शामिल होंगे। सिर्फ भारतीय मजदूर संघ हड़ताल में शामिल नहीं है, तो उसके पक्ष को समझा जा सकता है। बैंककर्मियों का मानना है कि सरकार लगातार उनके हित के विरुद्ध काम कर रही है। उनको शिकायत है, भारत में व्यवसाय को आसान बनाने के नाम पर सरकार ने श्रम से जुड़े 27 कानूनों की जगह तीन श्रम कानून पारित किए हैं।

इन तीन श्रम कानूनों के जरिए श्रम सुधार की कोशिश सरकार करती दिख रही है, पर श्रमिक संगठनों को लगता है, इसके जरिए सरकार केवल कॉरपोरेट के हित में सोच रही है। बैंककर्मियों को आशंका है, करीब 75 प्रतिशत श्रमिक नौकरी से बाहर हो जाएंगे। पूरे देश में लगभग चार लाख बैंककर्मियों के हड़ताल पर रहने की आशंका है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कामकाज प्रभावित होने के साथ ही कुछ पुराने निजी बैंक और कुछ विदेशी मूल के बैंकों में भी कामकाज पर असर पड़ेगा।

नए श्रम कानूनों के विरोध के अलावा बैंककर्मी बैंकों के निजीकरण, आउटसोर्सिंग और अनुबंध प्रणाली का भी विरोध कर रहे हैं। वे बड़े पैमाने पर भर्ती की भी मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही कॉरपोरेट डिफॉल्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग कर रहे हैं। वाकई, सरकार को हड़ताल की नौबत से बचना चाहिए था।

श्रमिक संगठनों को विश्वास में लेना और बैंकिंग क्षेत्र में सुधार आज की बड़ी जरूरत है। बैंक प्रबंधन व सरकार के बीच संवाद का अभाव भी असंतोष की एक वजह है। इसमें कोई शक नहीं, किसी भी संगठित क्षेत्र में निजीकरण या निजीकरण के अनुरूप नीतियां आसानी से स्वीकार नहीं होती हैं। कर्मचारियों ने जो सुविधाएं हासिल की हैं, उसके लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया है, पर यदि एक-एक कर सुविधाएं कम होती जाएंगी, तो चिंता वाजिब है। श्रम सुधार जरूरी हैं, पर उससे भी जरूरी है कर्मचारियों में संतोष का भाव।

बड़े पैमाने पर जिस तरह से बैंकों में घोटाले होते हैं, बड़े कर्जदार अपने रसूख का कैसे इस्तेमाल करते हैं, यह किसी से छिपा नहीं है।

एनपीए का एक बड़ा हिस्सा सियासी उदारता का परिणाम है। किसानों, गरीबों से पूरी कड़ाई से कर्ज वसूली करने वाला सरकारी तंत्र किसी बड़े उद्योगपति के सामने समझौते की मुद्रा में क्यों दिखता है? बैंकों को यथोचित नियमों के तहत अगर चलाया जाए, तो शायद कथित रूप से कड़े सुधार या हड़ताल की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस बीच, आम ग्राहकों के बारे में कौन सोच रहा है? हड़ताल के पहले, हड़ताल के समय और हड़ताल के बाद अंतत: भुगतान तो आम ग्राहकों को ही करना है। हड़ताल करने वालों के साथ ही, हड़ताल रोकने में नाकाम कर्णधारों और बैंकों को चूना लगाने वालों को भी आम ग्राहकों के बारे में सोचना चाहिए। आज हमारी अर्थव्यवस्था ऐसे दौर में है, जहां बैंकिंग जैसे क्षेत्र में हमें विरोध के दूसरे तरीके खोजने होंगे, ताकि हड़ताल की नौबत न आए। कोरोना के समय में यही उम्मीद की जा सकती है कि ऐसी हड़ताल से देश को कम से कम नुकसान हो।

# मजबूत हो राष्ट्रीय एकता की भाषाई कड़ी

जिगर डी वाढेर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संरक्षण और शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' के मार्गदर्शन में बनी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक दूरदर्शी विजन पत्र है। चाहे रोजगार का प्रश्न हो या सामाजिक न्याय का, शोध-अनुसंधान का विषय हो अथवा भारतीय भाषाओं का, एनईपी की दूरगामी सिफारिशों के क्रियान्वयन की दिशा में मंथन शुरू हो गया है। चूंकि यह एक विजन पत्र है इसलिए आवश्यकता पड़ने पर इसमें परिवर्तन भी किया जा सकता है। भाषाओं के संदर्भ में एनईपी में कई अहम सिफारिशें हैं, पर साथ ही कुछ मामलों में पुनर्विचार की भी आवश्यकता है।

भारतीय भाषाओं पर जोर एनईपी की एक बड़ी विशेषता है। इसके आधारभूत सिद्धांतों में ही 'बहुभाषिकता और अध्ययन-अध्यापन के कार्य में भाषा की शक्ति को प्रोत्साहन देना शामिल है। इसी सिद्धांत के मद्देनजर स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक में 'भारतीय भाषाओं के अध्यापन के साथ-साथ 'भारतीय भाषाओं में अध्यापन' पर बल दिया गया है। इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण अनुशंसा है कि पांचवीं ग्रेड तक की पढ़ाई मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा में होगी, जिसे आठवीं तक भी बढ़ाया जा सकता है। यह शैक्षणिक मनोविज्ञान के इस सिद्धांत के अनुरूप है कि मातृभाषा में सीखना आसान होता है। दुनिया के विकसित देशों में स्कूली शिक्षा से लेकर उच्चतर शिक्षा मातृभाषा या स्थानीय भाषा में ही होती है। आम जनता की भाषिक स्थिति को समझते हुए एनईपी भी उच्चतर शिक्षा के पाठ्यक्रमों को भारतीय भाषाओं में अथवा द्विभाषी रूप से पढ़ाए जाने की वकालत करती है। एनईपी में विभिन्न भाषाओं की अकादमी स्थापना का भी प्रावधान है। उपरोक्त बिंदु भारतीय भाषाओं तथा संस्कृति दोनों की मजबूती की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। भारतीय भाषाओं एवं बहुभाषिकता पर जोर देते हुए एनईपी में त्रिभाषा सूत्र का भी उल्लेख है, लेकिन प्रस्तावित त्रिभाषा सूत्र पूर्ववर्ती त्रिभाषा सूत्र से थोड़ा भिन्न है। पूर्व में हिंदी प्रदेशों में स्कूली स्तर पर अंग्रेजी, हिंदी एवं एक 'अन्य भारतीय भाषा' और गैर-हिंदी भाषी प्रदेशों में अंग्रेजी, उस राज्य की प्रमुख क्षेत्रीय भाषा और हिंदी पढ़ाए जाने का प्रावधान था, लेकिन तमिलनाडु आदि राज्यों में इस पर छिड़े विवाद के बाद थोड़ा लचीला बनाते हुए एनईपी में यह कहा गया है कि अब कम से कम दो भारतीय भाषाएं पढ़ाई जाएंगी। हालांकि यहां किसी भी भाषा का उल्लेख नहीं है। व्यावहारिक रूप में होगा यह कि अधिकांश गैर-हिंदी राज्यों में अंग्रेजी के अलावा उस राज्य की क्षेत्रीय भाषा और अन्य भारतीय भाषा के रूप में कोई एक भाषा

अपनाई जाएगी। अधिक संभावना है कि यह तीसरी भाषा सामान्यतया हिंदी ही होगी। हिंदी प्रदेशों में अंग्रेजी, हिंदी और एक अन्य भारतीय भाषा के रूप में संस्कृत पढ़ाई जाएगी जैसा कि अभी भी हो रहा है, लेकिन यह स्थिति उचित नहीं कि हिंदी भाषी राज्यों के छात्र हिंदी प्रदेशों की भाषाएं सीखने को कभी अग्रसर ही न हों। इससे तमिलनाडु आदि राज्यों का यह आरोप बरकरार रहेगा कि हिंदीभाषी लोग हिंदी से इतर अन्य भारतीय भाषाएं नहीं सीखते। यह राष्ट्रीय एकता की भावना के लिए ठीक नहीं। त्रिभाषा नीति के अंतर्गत दोनों भारतीय भाषाओं में केवल 'आधुनिक भारतीय भाषाएं' ही होनी चाहिए। तब यह होगा कि हिंदीतर राज्यों में संपर्क भाषा और संघ सरकार की राजभाषा हिंदी स्वाभाविक रूप से प्रथम विकल्प रहेगी ही, उधर हिंदी प्रदेश संस्कृत की जगह हिंदीतर राज्यों की कोई भाषा अपनाएंगे। एनईपी-1968, एनईपी-1986 आदि के त्रिभाषा फॉर्मूले में यही सोच थी कि हिंदीभाषी राज्य तीसरी भाषा के रूप में अन्य क्षेत्रीय भाषाओं खासतौर से द्रविड़ भाषा परिवार की कोई भाषा सीखेंगे। अतीत में हिंदी प्रदेशों में तीसरी भाषा के रूप में अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को न पढ़ाने का एक कारण इनके शिक्षकों की समस्या भी थी, लेकिन टेक्नोलॉजी के आज के दौर में इस समस्या का हल बहुत सरल हो गया है। ऑनलाइन शिक्षण की नई व्यवस्था में इन भाषाओं का पठन-पाठन कठिन नहीं होगा। इसमें शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट 'स्वयम' और टेलीविजन चैनल 'स्वयंप्रभा' भी मददगार हो सकते है एनईपी के आधारभूत सिद्धांतों में 'अध्ययन-अध्यापन और भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करने में तकनीक के यथासंभव उपयोगÓ की वकालत की गई है। इस कदम से हमारे हिंदी प्रदेशों के नौनिहालों को अन्य राज्यों की भाषा-संस्कृति सीखने का मौका मिलेगा ही, यह राष्ट्रीय एकता के भाव को भी बहुत मजबूत करेगा। इसके अलावा हिंदीतर भाषियों के इस भय का निराकरण भी हो सकेगा कि उनकी भाषा लुप्त होती जाएगी और हिंदी का वर्चस्व स्थापित हो जाएगा। इससे संकीर्ण राजनेताओं को भाषाई राजनीति भड़काने का मौका भी नहीं मिल पाएगा। रही बात संस्कृत की तो समस्त भारतीय भाषाओं को जोड़ने वाली कड़ी संस्कृत का ज्ञान भारतीय संस्कृति को समझने के लिए नि:संदेह आवश्यक है। एनईपी के अध्याय चार में उल्लिखित है कि स्कूलों में न केवल छठी क्लास से शुरू कर कम से कम दो साल के लिए संस्कृत या शास्त्रीय भाषाओं का अध्ययन कराया जाएगा, बल्कि उच्चतर शिक्षा में भी संस्कृत के महत्व को पहचाना गया है। भाषा संबंधी एक अन्य प्रावधान जिस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है, वह विदेशी भाषाओं के अध्ययन से जुड़ा है। एनईपी में कहा गया है कि छात्रों में एक वैश्विक दृष्टि विकसित करने के लिए माध्यमिक स्तर पर विदेशी भाषाओं का भी अध्ययन कराया जाएगा, लेकिन समस्या यह है कि इसमें चीन की भाषा मंदारिन को छोड़ दिया गया है। राष्ट्रहित में हमें चीनी कूटनीतिज्ञ सुन जू की ही इस नीति को नहीं भूलना चाहिए कि 'अपने दोस्तों को करीब और दुश्मनों को और भी ज्यादा करीब रखेंÓ। अर्थात शत्रु से निपटना हो तो उसके बारे में हर जानकारी रखो यानी उसके समाज, संस्कृति और सामूहिक मानस की ठीक-ठाक समझ होनी चाहिए। ध्यातव्य है कि अमेरिका में जब 11 सितंबर, 2001 को आतंकवादियों ने हमला किया था और उनका खौफ दुनिया में शुरू हो गया था तो अचानक से अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अरबी भाषा की पढ़ाई पर जोर दिया जाने लगा। उसी तरह चीन से पार पाने के लिए जरूरी है कि इसकी भाषा-संस्कृति को हम भलीभांति जानें। ऐसे में भाषाई नीतिकारों को सुधार करते हुए चीनी भाषा मंदारिन को भी इसमें जोड़ लेना चाहिए।

# जम्मू-कश्मीर में जमीनी लोकतंत्र का आगाज

भूपेन्द्र पटेल

लंबे अरसे तक अनुच्छेद 370 की जकडऩ में फंसे रहे जम्मू-कश्मीर की जमीन पर सही मायनों में लोकतंत्र पनपने वाला है। राज्य में पंचायत चुनाव के बाद अब डीडीसी यानी डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट काउंसिल भी अपने स्वरूप मे आ जाएगा। अब जनता अपने जिले के भविष्य की तकदीर का खाका खुद खींचेगी। वास्तव में यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला अवसर है जब इस प्रदेश में जमीनी लोकतंत्र, जनभागीदारी, लोक अधिकार और संवैधानिक प्रावधान पूर्ण रूप से आकार लेंगे। निश्चित ही यह सुखद क्षण होगा। ज्यादा सुखद इसलिए, क्योंकि प्रदेश के स्वार्थी नेताओं को जनता ने अहसास कराना शुरू कर दिया है कि वह उनके हाथ की कठपुतली नहीं है। यही कारण है कि वर्षों तक मनमानी करने वाले, प्रदेश की जनता को भ्रमित करने के साथ साथ पूरे देश को डराने-धमकाने वाले नेता अब खुद डरे हुए हैं। उन्हें अब अपने राजनीतिक अस्तित्व का भय सताने लगा है। राज्य में शनिवार से डीडीसी चुनाव के पहले चरण का आगाज होने जा रहे हैं। ये चुनाव कुल आठ चरणों में होने हैं। सभी दल इस चुनाव में हिस्सा ले रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी जैसे गुपकार समझौते वाले वे दल भी, जो इस चुनाव को साजिश करार दे रहे थे।

उन्होंने इसमें हिस्सा लेने से मना कर दिया था। अब उन्हें महसूस हो गया कि ऐसा करना उनके सियासी वजूद को खतरे में डाल सकता है। असल में इस पूरे प्रकरण की पटकथा तभी लिख दी गई थी जब मोदी सरकार ने राज्य में मनोज सिन्हा जैसे सक्रिय राजनेता को उपराज्यपाल बनाकर भेजा। सिन्हा जनसंपर्क और जनसंवाद की ताकत समझते हैं और इसीलिए राज्य की कमान संभालते ही उन्होंने नौकरशाहों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि जनता से लगातार मुलाकात होनी चाहिए। उनकी समस्या सुनी जाए और उन परेशानियों का समय से हल निकाला जाए। निचले स्तर पर पंचायत चुनाव हो चुका था और शीर्ष स्तर से लगातार जनसंपर्क और विश्वास बहाली पर जोर दिया जा रहा था। एक घटना के बाद जिस तरह सिन्हा सेना को रोककर खुद ही गांव तक पैदल गए, उससे जनता में भरोसा बढ़ा। ऐसे कदम विश्वास बहाली में आवश्यक सेतु का काम करेंगे। ऐसे में जब केंद्र सरकार ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्रियो और सांसदों, विधायकों वाली डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट बोर्ड की जगह पूरी तरह चुनाव से बनने वाली डीडीसी को हरी झंडी दिखाई तो प्रादेशिक नेताओं के पांव तले जमीन ही खिसक गई। शुरुआत में उन्होंने इसे साजिश करार देकर विरोध किया, परंतु अब पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस ने साथ मिलकर चुनाव लडऩे का फैसला किया है। वैसे यह पहला अवसर नहीं जब देश में दो धुर विरोधी दल एक मंच पर आए हों। बीते कुछ वर्षों के राजनीतिक रुझान को देखें तो ऐसे कई वाकये दिखेंगे। यदि जनहित या देशहित के लिए ऐसा जुड़ाव होता तो अत्यंत सुखद होता, परंतु धुर विरोधियों के हाथ मिलाने के ये मामले निहित स्वार्थ और किसी भी कीमत पर भाजपा को रोकने के मकसद से ही हो रहे हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस और शिवसेना एक हो गई, बंगाल में कांग्रेस और वाम एक हैं, उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा जैसे दल एक साथ आ गए थे और अब कश्मीर में नेकां और पीडीपी ने एक दूसरे का दामन थाम लिया है। दरअसल राजनीतिक दलों को यह भ्रम होने लगा है कि वोटर उनके कार्यकर्ता होते हैं। उत्तर प्रदेश में यह भ्रम टूट गया था। जम्मू-कश्मीर की बात करें तो गुपकार नेताओं की किस्मत ही खराब दिखती है। वे फिर से उसी 370 की वापसी और 35 ए की बात कर रहे हैं, जिससे मुक्ति पाकर ही विकास शुरू हुआ है।

उन्होंने जमीन खरीद के मामले में बदले नियमों का भी विरोध किया है। इस बीच उस 'रोशनी एक्टÓ के पीछे का स्याह सच भी सामने आने लगा है, जिसका काला साया गुपकार और कांग्रेस नेताओं पर मंडरा रहा है। हाईकोर्ट के आदेश पर जमीन की बंदरबांट में जिस तरह नेशनल कांफ्रेस, पीडीपी और कांग्रेस नेताओं के नाम आ रहे हैं, उससे साफ हो गया है कि इन स्वार्थी नेताओं ने प्रदेश में किसी को झांकने की इजाजत क्यों नहीं दी। क्यों पूरे देश को डराया जाता रहा कि कश्मीर में दखल देने की की कोशिश हुई, तो उसके घातक परिणाम होंगे और उस पर पाकिस्तान की पकड़ मजबूत हो जाएगी। दरअसल ये नेता अपनी करतूतों को पर्दे के पीछे रखना चाहते थे। जमीन की बात करने वाले इन नेताओं ने खुद ही कानून बनाकर हजारों कनाल सरकारी जमीन अपने नाम कर ली। गरीबों को मुट्ठी भर दिया और अपना घर भर लिया। जनता को भरमाया और प्रदेश में पिछड़ों, दलितों, महिलाओं को संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा। अब उन्हें अधिकार मिलना शुरू हुआ है तो डीडीसी चुनाव में 370 की वापसी का बेसुरा राग छेड़ रहे हैं। क्या कोरोना काल में इन नेताओं की सोचने-समझने की क्षमता इतनी संक्रमित हो गई है कि वे जनता के अधिकार छीनने वाले मुद्दे के साथ मैदान में उतरे हैं। क्या गुपकार और कांग्रेस नेता अब भी देश की हवा का रुख भांपकर उससे कोई सबक सीखने को तैयार नहीं। अब चुनावों में विकास ही सबसे बड़ा मुद्दा है। इस मोर्चे पर फारूक से लेकर महबूबा मुफ्ती तक अपनी क्या उपलब्धियां गिना सकते हैं?

हजारों कनाल जमीन हड़पने वाले नेता आखिर किस मुंह से जनता को यह बताएंगे कि उद्योगों को आखिर जमीन देने में क्या बुराई है, जबकि इन उद्योगों से खुद जनता की भलाई होना तय है। गुपकार नेता तय कर लें कि क्या वे जनता को अपनी दलीलों से समझा पाएंगे। अन्यथा जनता द्वारा तो उन्हें समझाना तय माना जाए। राज्य की जनता ने इन्हीं नेताओं के विरोध के बावजूद पंचायत चुनाव में वोट देकर अपने प्रतिनिधि चुने थे और अब डीडीसी में भी खुली सोच से वोट डालेंगे।

# बदले की राजनीति से दूर रहने की चेतावनी के बाद ठाकरे को फडणवीस का जवाब, कहा- डराना बंद करो

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा विपक्ष को बदले की राजनीति से दूर रहने की चेतावनी देने के बाद, पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को धमकी न देने की सलाह दी है। फडणवीस ने कहा कि इन सबके बजाय सरकार शासन पर ध्यान दे कि राज्य में कोविद-19 को कैसे हराया जाए। उन्होंने कहा कि यह भगवान की कृपा है कि कोरोना की दूसरी लहर अभी तक महाराष्ट्र में नहीं पहुंची है।

फडणवीस ने अमृता फडणवीस और शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी के बीच हालिया ट्विटर लड़ाई का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "हमने कभी व्यक्तिगत हमले नहीं किए। अगर हम व्यक्तिगत हमलों के बारे में बात कर रहे हैं, तो शिवसेना के नेताओं ने मेरी पत्नी पर हमला किया है, लेकिन मैंने इस पर कभी कोई बवाल नहीं किया है।"

पत्रकार अर्नब गोस्वामी और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के साथ सरकार के पतन के बारे में बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि हम अर्नब गोस्वामी और कंगना रनौत के विचारों की जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, लेकिन हम सरकार के खिलाफ बोलने वालों को दबाने के रवैय्ये के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि अर्नब गोस्वामी के मामले में सुप्रीम कोर्ट और कंगना रनौत के मामले में हाईकोर्ट का फैसला हमने देखा है। जिस प्रकार से

लोकतंत्र को समाप्त करके इनको टारगेट किया गया, इसका समर्थन नहीं किया जा सकता। हम इसकी भर्त्सना करते हैं। दरअसल हाल ही में शिवसेना के मुखपत्र सामना ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का एक साक्षात्कार प्रकाशित किया, जहां उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके परिवार को विपक्ष द्वारा निशाना बनाया गया है। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी सरकार की वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बीजेपी को खुलेआम चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि मैं संयमी हूं, नामर्द नहीं और इस तरह से हमारे परिजनों पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के जरिए हमला जारी रहा तो हम एक का बदला दस से लेंगे। उन्होंने कहा कि उस रास्ते पर चलने की हमारी इच्छा नहीं है, पर हमें मजबूर मत करो।

गौरतलब है कि सुशांत सिंह की मौत के प्रकरण में उद्धव ठाकरे के बेटे और राज्य के मंत्री आदित्य ठाकरे पर निशाना साधा गया था। इसके अलावा, इसी सप्ताह ईडी ने शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक के ठिकानों पर रेड मारी थी। साफ है कि शिवसेना प्रमुख इन घटनाक्रमों को लेकर काफी नाराज हैं। शिवसेना को लगता है कि ये कार्रवाइयां महाराष्ट्र की सरकार को अस्थिर करने के लिए की जा रही हैं।

उन्होंने शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' से इंटरव्यू में कहा कि ईडी आदि का दुरुपयोग करके दबाव बनाओगे तो यह मत भूलो कि तुम्हारे भी परिवार और बच्चे हैं। उद्धव ने कहा कि हममें संस्कार है, इसलिए संयम बरत रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, "मैं शांत हूं, संयमी हूं लेकिन नामर्द नहीं हूं। जिस प्रकार से हमारे लोगों के परिजनों पर हमले शुरू हैं, ये तरीका महाराष्ट्र का नहीं है। बिल्कुल नहीं है। यहां एक संस्कृति है। हिंदुत्ववादी मतलब एक संस्कृति है। अगर हम पर हावी होने की कोशिश करने वाले हमारे परिवार या बच्चों पर आना चाहते हैं, तो याद रखें उन लोगों के भी परिवार और बच्चे हैं और आप भी धुले चावल नहीं हो। तुम्हारी खिचड़ी कैसे पकानी है, वो हम पका सकते हैं।"

## NCP विधायक भरत भालके का निधन, पिछले महीने कोरोना से हुए थे संक्रमित

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक भरत भालके का शनिवार को पुणे के रूबी अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले महीने कोरोना से संक्रमित हुए थे उन्हें कोरोना वायरस के बाद होने वाली परेशानियों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था और शुक्रवार से उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। भरत भालके पंढरपुर-मंगलवेद विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने भालके के निधन पर दुख व्यक्त किया।"एनसीपी के पंढरपुर-मंगलवेद विधानसभा क्षेत्र के विधायक भरत भालके की मौत की खबर बेहद चौंकाने वाली है। उनके निधन के साथ, एक प्रभावशाली संचालक और समर्पित नेता का निधन हो गया। मैं भालके परिवार के दुख को साझा करता हूं। श्रद्धांजलि, महाराष्ट्र के मंत्री ने ट्वीट किया।

## विनीत फालक को मिला वाग्धारा यंग एचीवर सम्मान

मुम्बई - विगत दिनों देश के प्रतिष्ठित 'वाग्धारा नवरत्न सम्मान' समारोह 2020 , उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल श्री राम नाईक, राज्य सभा सांसद नारायण राणे, समाज सेविका स्मिता ठाकरे तथा नाट्यकर्मी नादिरा बब्बर , गजेंद्र अहिरे की उपस्थिति में मुक्ति सभागार में संपन्न हुआ।इस अवसर पर उभरते हुए इंटीरियर डिजाईनर आर्किटेक्ट विनीत फालक को यांग एचीवर अवार्ड से नवाज़ा गया। उन्हें यह सम्मान राज्य सभा सांसद नारायण राणे , उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक और स्मिता ठाकरे , नादिरा बब्बर , मराठी के सुप्रसिद्ध निर्देशक गजेंद्र अहिरे के हाथो प्रदान किया गया। बहुत ही काम उम्र में विनीत फालक ने इस क्षेत्र में बहुत नाम किया है उनके आज बड़े बड़े कारपोरेट क्लाइंट है भारत के अलावा वह देश विदेश में भी भारत का नाम कर रहे है। उनकी कंपनी का नाम यूनिक इंटेरिओ है , यह इस क्षेत्र में दिया गया पहला सम्मान है। विनीत एक क्रिएटिव इंटीरियर के लिए जाने जाते है। समाज सेवा में भी विनीत अपनी भूमिका निभाते है उनकी इन्ही उपलब्धियों के कारण वाग्धारा यंग एचीवर अवार्ड से नवाजा गया। इस कार्यक्रम के संयोजक वागीश सारस्वत थे तथा संचालन रवि यादव और श्रद्धा मोहिते ने किया था। सभागार में विभिन्न क्षेत्रों की विभूतियों से खचाखच भरा हुआ था। विनीत फालक ने अपने इस सम्मान के लिए आयोजन और चयन समीति का आभार माना और कहा कि मैं उनका बहुत बहुत आभारी हूँ जो कि समीति ने मेरे काम को पहचाना।

## हाई कोर्ट और निचली अदालतों में 1 दिसंबर से सामान्य कामकाज होगा बहाल

बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में पुणे को छोड़कर बाकी अन्य स्थानों पर एक दिसंबर से दो पालियों में उसके साथ साथ जिला सत्र एवं मजिस्ट्रेट अदालतों में कामकाज सामान्य रूप से बहाल हो जाएगा। उच्च न्यायालय हर दूसरे दिन व्यक्तिगत तौर पर एक महीने तक प्रायोगिक रूप में सुनवाई करेगा। उच्च न्यायालय के महापंजीयक एस जी दिगे ने बताया कि सभी अधीनस्थ अदालतों के न्यायाधीश और कर्मचारी अपनी पूरी क्षमता संख्या के साथ सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजकर 30 मिनट तक और दोपहर दो बजे से शाम चार बजकर तीस मिनट तक काम करेंगे। हाई कोर्ट की ओर से जारी एक अन्य नोटिस में बताया गया कि खंड पीठों और एकल पीठों के दो समूह एक एक दिन के अंतराल में दिन में चार घंटे के लिए जमा होंगे और व्यक्तिगत तौर पर सुनवाई करेंगे।

फिलहाल अभी उच्च न्यायालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई हो रही है।

नोटिस में बताया गया कि मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता व्यक्तिगत तौर पर ऑनलाइन माध्यम से मामलों की सुनवाई करेंगे। नोटिस में बताया गया कि पुणे न्यायिक जिले की अदालतों को छोड़कर बाकी सभी अदालतों में एक दिसंबर से दो पालियों में सामान्य रूप से कामकाज शुरू होगा। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और प्रशासनिक कमेटी के अन्य न्यायाधीशों द्वारा राज्य में कोविड-19 की स्थिति को नजर में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। वहीं इसमें यह भी कहा गया कि अगर महामारी की स्थिति बिगड़ती है तो जिला प्रधान न्यायाधीश इस संबंध में उच्च न्यायालय से दिशानिर्देश ले सकते हैं।

## अर्नब गोस्वामी को क्यों दी अंतरिम जमानत? सुप्रीम कोर्ट ने बताया कारण, HC को लगाई फटकार

आत्महत्या के लिए कथित तौर पर उकसाने के 2018 के मामले में पत्रकार अर्नब गोस्वामी और दो अन्य आरोपियों को अंतरिम जमानत प्रदान करने के संबंध में आज यानी शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने विस्तृत कारण बताया। सुप्रीम कोर्ट ने अर्नब गोस्वामी को अंतरिम जमानत प्रदान करने के संबंध में कारण बताते हुए कहा महाराष्ट्र पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर का प्रथम दृष्टया मूल्यांकन उनके खिलाफ आरोप स्थापित नहीं करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पत्रकार अर्नब गोस्वामी को दो साल पुराने आत्महत्या के लिए उकसाने के एक मामले में मिली अंतरिम जमानत, बंबई उच्च न्यायालय के याचिका का निपटारा करने तक जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय, निचली अदालत को राज्य द्वारा आपराधिक कानून के दुरुपयोग के प्रति सतर्क रहना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, जिला न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपराधिक कानून नागरिकों को चुनिंदा तरीके से उत्पीड़ित करने का हथियार ना बनें।

पीठ ने कहा कि उन नागरिकों के लिए इस अदालत के दरवाजें बंद नहीं किए जा सकते, जिन्होंने प्रथम दृष्टया यह दिखाया है कि राज्य ने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया। साथ ही कहा कि एक दिन के लिए भी किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता छीनना गलत है। बता दें कि शीर्ष अदालत ने गोस्वामी को 11 नवंबर को जमानत दे दी थी। न्यायालय ने कहा था कि 'अगर निजी स्वतंत्रता का हनन हुआ तो यह न्याय पर आघात होगा।'

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने आज इस पर अपने फैसले के कारणों के बारे में बताया।

शीर्ष अदालत ने मामले में दो अन्य आरोपियों- नीतीश सारदा और फिरोज मोहम्मद शेख को 50-50,000 रुपये के निजी मुचलके पर अंतरिम जमानत दे दी थी और उसने किसी भी प्रकार से सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करने और जांच में सहयोग के लिए कहा था। रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक गोस्वामी ने अंतरिम जमानत देने से इनकार करने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी।

## 58 करोड़ के ड्रग मामले में एटीएस ने आरोपियों के खिलाफ शुरू किया कुर्की का अभियान

मुंबई, हाल ही में मुंबई एटीएस की विक्रोली यूनिट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 146 किलो से ज्यादा एमडी ड्रग को जप्त किया था। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत तकरीबन 58 करोड रुपये से ज्यादा की बताई गयी थी। इस मामले में पुलिस ने 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस को इनके पास से एक करोड़ 55 लाख से ज्यादा नकद रुपए बरामद हुए थे। अब इस मामले में एटीएस ने आरोपियों की तीन गाड़ियों और 15 बैंक अकाउंट को भी सीज किया है। एक आरोपी का सांगली जिले ताल्लुक इस मामले में पुलिस ने जिन तेरह लोगों को गिरफ्तार किया था। उनमें से एक आरोपी सांगली जिले का बताया जा रहा है और इस आरोपी का जिले में 3140 स्क्वायर मीटर का गोडाउन भी है। इसे भी कुर्क किया गया है। अब पुलिस इन आरोपियों द्वारा अर्जित की गई काली कमाई को भी तलाशने में जुटी है। ताकि उन्हें भी कुर्क किया जा सके। दाऊद गैंग से जुड़े हैं आरोपी मुंबई एटीएस से मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए 13 आरोपियों में से एक आरोपी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम गैंग का सक्रिय सदस्य भी है। पुलिस ने इस आरोपी के पास से 40 लाख रुपये के जेवरात भी जप्त किए हैं। एटीएसएस आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। इस आरोपी का नाम मोहम्मद अजीम तनवीर है।

नवी मुंबई में मौजूद फ्लैट भी हुए सील

महाराष्ट्र एटीएस की टीम ने अन्य आरोपियों के नवी मुंबई इलाकों में स्थित घरों को भी सील किया है। एटीएस द्वारा किसी ड्रग्स मामले में पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कुर्की की यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। आपको बता दें कि फिलहाल मुंबई शहर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, एंटी नारकोटिक्स सेल और एटीएस के तरफ से नशे के कारोबारियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिसकी वजह से ड्रग्स के कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

## मनसे पदाधिकारी जमील शेख मर्डर केस का सूत्रधार गिरफ्तार

ठाणे, मनसे पदाधिकारी जमील शेख की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए मुख्य सूत्रधार शाहिद शेख को ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट एक ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, हत्यारे अब भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस के मुताबिक उक्त मामले में पुलिस ने ठाणे से फरार हुए हत्यारों द्वारा उपयोग की गई चार लाख मूल्य की टी-परमिट की एसेंट कार को भी जब्त किया है। इसके अलावा वारदात में उपयोग की गई बाइक पर हत्यारों द्वारा ट्रक की नंबर प्लेट लगाए जाने की बात सामने आई है। ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट-1 के सीनियर पीआई नितिन ठाकरे की अगुवाई में मामले की समांतर जांच शुरू की गई थी। पुलिस टीम ने सात से आठ लोगों से पूछताछ की, जिसके बाद शाहिद को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा सीसीटीवी की छानबीन में पता चला है कि हत्या के बाद हत्यारे ठाणे जेल के सामने से होते हुए कलवा पुल के रास्ते भागे थे। जिस तरह दिनदहाड़े शेख की गोली मारकर हत्या की गई है, उससे पुलिस को आशंका है कि हत्यारे स्थानीय नहीं थे और वे ठाणे से बाहर भाग निकलने में कामयाब हुए हैं। क्राइम ब्रांच की तीन टीम अलग-अलग स्थानों पर हत्यारों की धरपकड़ के लिए निकली है। राबोडी निवासी जमील शेख (49) की 23 तारीख को दोपहर करीब 2 बजे उस वक्त हत्या कर दी गई, जब वह मोटरसाइकल से कहीं जा रहा था।

## नहीं बढ़ेगा बेस्ट बस का किराया, मुंबईकरों को होगा फायदा

मुंबई, मुंबई में कोरोना के बढ़ते प्रभाव की वजह से लोकल ट्रेनों को आम जनता के लिए अभी तक पूरी तरह से शुरू नहीं किया गया है। जिसके चलते मुंबई के नागरिक शहर के दूसरी लाइफलाइन मानी जाने वाली बेस्ट बसों के जरिए यात्रा कर रहे हैं। अनलॉक शुरू होने के साथ ही लोगों को बेस्ट बस के जरिए यात्रा करने की सहूलियत दी गयी थी। फिलहाल 23 लाख यात्री बेस्ट बस के जरिए रोजाना यात्रा कर रहे हैं। यात्रियों की संख्या को और बढ़ाने के लिए बेस्ट प्रशासन ने इस वर्ष किराया ना बढ़ाने का फैसला किया है। पहले 30 लाख लोग बेस्ट में यात्रा करते थे मुंबई में लॉकडाउन के पहले तकरीबन 30 लाख लोग बेस्ट बस के जरिये यात्रा करते थे। फिलहाल यह संख्या 23 लाख है। शहर में कोरोना का असर अभी भी कायम है और कोरोना के मामलों में भी इजाफा देखा जा रहा है। इस वजह से मुंबई की लोकल ट्रेन सेवा को अभी तक शुरू नहीं किया गया है। लॉकडाउन के पहले 9 मार्च को 10 यात्रियों की संख्या 30 लाख 88 हज़ार 834 थी। जबकि लॉकडाउन हटाने के बाद 20 नवंबर को बेस्ट यात्रियों की संख्या 22 लाख 47 हज़ार 542 थी। इस प्रकार बेस्ट को 2 करोड़ तीन लाख 39 हज़ार रुपये की कमाई हुई है। किराया बढ़ा तो कम हो सकते हैं यात्री बेस्ट प्रशासन को इस बात का भी भय है कि अगर उन्होंने किराया बढ़ाया तो यात्रियों की संख्या में कमी आ सकती है।

## महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध के 90 प्रतिशत मुकदमे लंबित, प्रजा फाउंडेशन की रिपोर्ट में खुलासा

- प्रजा फाउंडेशन ने जारी की अपनी रिपोर्ट
- कर्मचारियों की कमी के चलते अदालतों में मामले नहीं हो रहे हैं खत्म
- महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हुए 90 फ़ीसदी मामले अदालत में लंबित

मुंबई, मुंबई की एनजीओ प्रजा फाउंडेशन की तरफ से जारी की गई एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि मुंबई में महिलाओं के खिलाफ हुए 90% मामले अभी भी अंजाम तक नहीं पहुंच पाए हैं। ये मामले अभी भी अदालतों में लंबित । 2019 में 31 फीसदी मामलों में सजा हुई रिपोर्ट के जरिए अभी पता चला है कि साल 2019 में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों में कनविक्शन का प्रतिशत महज 31 फीसदी रहा है जबकि बच्चों के खिलाफ हुए अपराधों में 38 फीसदी। साल 2017 के अब तक यह सबसे कम रहा है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हुए अपराधों के मामलों को तेजी से निपटाने के लिए आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। प्रजा फाउंडेशन की प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर जेनिफर स्पेंसर के मुताबिक बच्चों के साथ हुए अपराधों को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में सुना जाना चाहिए। ताकि उनका फैसला साल भर के भीतर ही आ सके।

पॉक्सो कोर्ट में नहीं गए मामले

प्रजा फाउंडेशन की रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि बच्चों के साथ हुए अपराधों के आधे मामले पॉक्सो कोर्ट में नहीं पहुंच पाए हैं। इतना ही नहीं साल 2019 के 222 मामलों में से सिर्फ 20% ही पॉक्सो मामले कोर्ट में निर्णय तक पहुंच पाए हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह भी है की अदालतों और पुलिस विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक सत्र न्यायालयों में 14% जजों की कमी है जबकी पुलिस डिपार्टमेंट में 18 प्रतिशत स्टाफ की कमी है वहीं 28% सरकारी वकीलों की कमी है। फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं की 42 फ़ीसदी कमी है। पुलिसकर्मियों के रहने के लिए भी एक बड़ी समस्या है। मुंबई शहर में सिर्फ 38% पुलिस वालों को सरकारी घर मिले हैं। कोविड महामारी आने के पहले मुंबई शहर में बीते 3 सालों में प्रतिवर्ष 100 पुलिसकर्मी, अलग अलग बीमारियों के शिकार होकर अपनी जान गवांते रहे हैं।

2013 से लेकर 2017 के बीच सिर्फ 24 फीसदी मामलों में हुई सजा

प्रजा फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार सेशन कोर्ट में आईपीसी की धाराओं के तहत चल रहे मुकदमों में बीते 4 सालों में महज 24 फ़ीसदी केसेस में ही सजा हो पाई है। हत्या के मामलों में 33 परसेंट और सबसे कम डकैती के मामले में 12 परसेंट कनविक्शन हुआ है। सबूतों के अभाव में ज्यादातर आरोपी छूट जाते हैं।

# पाचन दुरुस्त करने से लेकर हेल्दी हार्ट तक, यहां हैं सर्दियों में शहद के सेवन के 5 फायदे

सर्दियां शुरू हो चुकी हैं, ऐसे मौसम में अगर शहद को अपनी डाइट में शामिल कर लिया जाए तो यह सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। शहद पोषक तत्वों से से भरपूर है। यह सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि ज्यादा उम्र के लोगों के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन-

बी, सी, आयरन, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, सोडियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं।

शहद हमारी सेहत के लिए सबसे बेहतर और अनमोल नेचुरल प्रोडक्ट्स में से एक है। यह खाने में जितना टेस्टी लगता है, उतना ही हमारे शरीर को फायदा भी पहुंचाता है। शहद का इस्तेमाल सिर्फ श0रीर को पोषण देने के लिए ही नहीं, बल्कि कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के उपचार के लिए भी किया जाता है। इसका इस्तेमाल घाव भरने से लेकर कैंसर के उपचार तक में किया जाता है।

किन समस्याओं में लाभकारी है शहद

आमतौर पर शहद का इस्तेमाल नेत्र रोग ब्रोंकियल अस्थमा तपेदिक प्यास, हिचकी, थकान, चक्कर आना, हेपेटाइटिस, कब्ज, अपच, बवासीर, एक्जिमा, अल्सर और घावों को भरने के उपचार में किया जाता है। साथ ही शरीर में पोषण की कमी को दूर करने के लिए भी शहद को एक सप्लीमेंट की तरह इस्तेमाल किया जाता है।

क्लिनिकल रिसर्च के मुताबिक ऐसे कई सबूत हैं, जिनमें घावों, मधुमेह मेलेटस कैंसर, अस्थमा, और हृदय, न्यूरोलॉजिकल और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों के नियंत्रण और उपचार में शहद के उपयोग का सुझाव दिया गया है।

क्या कहती है स्टडी

क्लीनिकल रिसर्च के एक रिव्यू के मुताबिक शहद को विभिन्न औषधीय प्रयोजनों के लिए एक नेचुरल मेडिकल एजेंट माना जा सकता है। इसके लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं कि रोगों के प्रबंधन के लिए शहद काफी उपयोगी साबित हो सकता है।

सेहत के लिए कैसे फायदेमंद है शहद

1 एंटीऑक्सीडेंट से है भरपूर

शहद में एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी इसे आपकी त्वचा और बालों के साथ ही संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक बनाती है।

2 खराब कॉलेस्ट्रोल को कम करता है

शहद का सेवन करने से शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है।

साथ ही यह शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल को भी बढ़ाता है। इसके अलावा इससे शरीर में सूजन की समस्या दूर होती है। जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

3 गले के लिए है फायदेमंद

सर्दियों का मौसम है, ऐसे में आपको खांसी-जुकाम जैसी समस्याएं होना आम बात है। सर्दियों में रोजाना नियमित रूप से 1 चम्मच शहद का सेवन करने से

सोनल झालावाड़िया

आपके गले को पोषण मिलता है, जो आपको खांसी-जुकाम जैसी समस्याओं से बचाने में मदद करता है।

4 दिल का रखता है ख्याल

शहद में मीठी सौंफ मिलाकर खाने हमारा हृदय मजबूत बनता है। दिल के स्वास्थ्य के लिए शहद बहुत गुणकारी है। शहद के सेवन से हृदय को ठीक तरह से काम करने में भी मदद मिलती है।

5 पाचन को दुरुस्त करता है

कब्ज, पेट फूलने और जैसी समस्याओं से निजात पाने के लिए शहद का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। तो ऐसे में आप दवा की जगह शहद का सेवन कर सकती हैं। शहद में एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं जो हमारे पाचन तंत्र को दुरुस्त करने में मददगार साबित होते हैं।

# आपके किचन में रखी इन चीजों से भी तेजी से कम होता है वजन

आधुनिक दौर में जीवनशैली भी भागती-दौड़ती हो गई है। काम पर निकलने की जल्दबाजी में आप अक्सर खाने-पीने को लेकर लापरवाही कर जाते हैं। नाश्ता न कर पाने की वजह से बाहर का अनहेल्दी फूड कई बीमारियों के साथ मोटापे को भी न्यौता देता है। ऐसे में मोटापे बढ़ने के बाद इसे कम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। कई लोग मोटापे से निपटने के लिए जिम जाते हैं, तो कई लोग महंगे सप्लीमेंट्स खरीद लेते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोगों को इससे फायदा होने की बजाय नुकसान हो जाता है। हम आपको घर में इस्तेमाल होने वाली ऐसी छोटी-छोटी चीजों को बताने जा रहे हैं, जिन्हें खाने में शामिल करके आप तेजी से अपना वजन कम कर सकते हैं-

**रोजमेरी**

ज्यादातर लोगों को लगता है कि रोजमेरी सिर्फ ब्यूटी फेस पैक में ही इस्तेमाल होता है लेकिन आपको बता दें कि खाने में रोजमेरी के नियमित इस्तेमाल से आपके पेट पर चर्बी नहीं होती।

**अजवाइन**

आपने सुना होगा कि पेट खराब होने पर अजवाइन का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन बहुत से लोग नहीं जानते कि खाने में अजवाइन डालने से न सिर्फ खाना आसानी से पच जाता है बल्कि इससे फैट भी जमा नहीं होता।

**ओर्गेनो**

आपने पिज्जा और सैंडविच में ओर्गेनो का स्वाद चखा होगा। ओर्गेनो के इस्तेमाल से किसी भी

डिश का जायका बढ़ जाता है, वहीं ओर्गेनो सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं बल्कि इसमें वजन कम करने के फैक्टर भी होते हैं।

**पुदीना**

पुदीना की चटनी और शिंकजी में इसका इस्तेमाल बहुत ही अच्छा माना जाता है। पुदीना खाने को पचाने में भी बहुत असरदायक है। आप अगर पेट पर चर्बी जमा नहीं होने देना चाहते, तो पुदीने का इस्तेमाल आज ही शुरू कर दें।

**नीबू**

आप अगर वजन कम करना चाहते हैं, तो नीबू पानी का इस्तेमाल आज से ही शुरू कर दीजिए। रोजाना सुबह पानी में नीबू डालकर पीने से आप न सिर्फ मोटापे को कम कर सकते हैं बल्कि इससे आपकी पेट की कई बीमारियां भी दूर हो जाएगी।

# हेल्दी हेयर के लिए क्या है बेहतर - घी का सेवन या उसे सीधे बालों पर लगाना, हम बताते हैं इसका समाधान

हम से ज्यादातर लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में घी का इस्तेमाल कई तरह से करते हैं। घी (Pure Ghee) हमारे खाने को सिर्फ टेस्टी ही नहीं बनाता, बल्कि यह हमारी सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। आयुर्वेद के अनुसार घी को खाने के कई हेल्थ बेनिफिट्स हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं घी हमारे बालों के लिए भी बेहद फायदेमंद है। पर जब बात बालों की आती है तो ज्यादातर लोग कंफ्यूज होते हैं कि घी खाना ज्यादा बेहतर हैं या उसे लगाना।

हेल्दी फैट का बेहतरीन स्रोत है देसी घी

2014 में जर्नल ऑफ फूड रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, घी जरूरी फैटी एसिड जैसे लिनोलेनिक एसिड और एराकिडोनिक एसिड शॉर्ट-चेन फैटी एसिड, फैट में घुलने वाले विटामिन- ए,डी,ई और के, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है।

साथ ही आयरन, तांबा, कैरोटीनॉयड जैसे ट्रेस तत्व भी देसी घी में भरपूर मात्रा में होते हैं। हालांकि, इन पोषक तत्वों की मात्रा एक निर्माता से दूसरे में भिन्न हो सकती है। आमतौर पर, घी 100% वसा है, जिसमें किसी भी तरह का प्रोटीन या कार्बोहाइड्रेट नहीं होता। घी के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह लैक्टोज-फ्री (lactose-free) होता है।

सेहत के लिए कैसे फायदेमंद है घी

आमतौर पर हम खाने का स्वाद बढ़ाने और उसमें पोषण की मात्रा को बढ़ाने के लिए दाल या सब्जी में घी डालते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कई कारण है जिसके कारण हम घी को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार घी अपच की समस्या से राहत पाने के लिए बहुत फायदेमंद होता है। साथ ही यह कब्ज की समस्या को दूर करने के साथ ही शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी मदद करता है।

घी में विटामिन ए,ई और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। घी का सेवन करने से शरीर की पोषण संबंधी कमियों को दूर करने में मदद मिलती है।

कई डॉक्टर महिलाओं को उनकी डेली डाइट में घी को शामिल करने की सलाह देते हैं। विशेष तौर पर जो महिलाएं प्रेग्नेंट हैं। क्योंकि यह हड्डियों और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करता है।

घी का सेवन करने से आपकी त्वचा में नमी आती है और चेहरे पर एक चमक आती है। इसी तरह, यह अंदर और बाहर दोनों तरफ से बालों को चमकदार, मुलायम और स्वस्थ बनाता है।

घी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्वों में एंटी वायरल गुण होते हैं। इसलिए यदि कोई व्यक्ति अक्सर बीमार पड़ता है, तो उन्हें नियमित रूप से घी खिलाने से उनके इम्यून सिस्टम में सुधार हो सकता है।

**बालों के लिए घी लगाना है ज्यादा बेहतर**

देसी घी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह बालों को लंबा, घना और चमकदार बनाने के साथ ही नए बाल उगाने में भी मदद करता है। घी का सेवन हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। लेकिन जब हम अपने बालों और स्किन की सेहत की बात करते हैं, तो घी को सीधे तौर पर अप्लाई करना ज्यादा कारगर होता है।

**जानिए क्यों बालों में घी लगाना है ज्यादा फायदेमंद**

आयुर्वेद में घी को बालों के लिए बहुत कारगर माना जाता है। बालों में घी लगाने से बालों की ग्रोथ तेजी से होती है।

इसके अलावा इससे बाल स्मूथ और चमकदार भी बनते हैं। यह बालों को घना और काला बनाने में भी मदद करता है। इसके लिए गाय के दूध से बने देसी घी से नियमित रूप से अपने सिर की मालिश करें।

रूसी की समस्या को दूर करता है

बालों में रूसी की समस्या से निजात दिलाने में देसी या शुद्ध घी बहुत फायदेमंद होता है। घी से नियमित रूप से स्कैल्प की मालिश करने से रूसी की समस्या से निजात मिलती है। साथ ही स्कैल्प की ड्राईनेस को खत्म करके उसमें नमी लाता है।

# टीके पर फर्जी अफवाह को रोकना बड़ी चुनौती : WHO

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गुरुवार को कहा कि कोरोना वायरस के टीके को फर्जी सूचनाओं से बचाना चुनौती बन गया है। वैश्विक निकाय ने टीके पर भ्रम फैलाने वाली सूचनाओं के बढ़ते प्रसार को लेकर चिंता जताई है। डब्लूएचओ का कहना है कि कोरोना काल में फर्जी सूचनाओं की तादाद इतनी बढ़ गई है कि यह महामारी (पेंडेमिक) के जैसा ही एक तरह का 'इंफोडेमिक' है, जिसके चपेट में लाखों लोग आ रहे हैं। अगर समय रहते इसे नहीं रोका गया तो लोग भ्रम में फंसकर कोरोना का टीका लगवाने से घबराएंगे, जिससे कोरोना के खिलाफ दुनिया की लड़ाई और मुश्किल हो जाएगी।

सोशल मीडिया पर तेज हुआ टीका विरोधी अभियान :

पिछले 10 महीनों में सोशल मीडिया पर टीका विरोधी अभियानों ने जोर पकड़ा है। लंदन स्थित सेंटर ऑफ काउंटिंग डिजिटल हेट की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में सोशल मीडिया पर सक्रिय टीका विरोधी खातों में 80 से 90 लाख और फॉलोअर बढ़ गए। रिपोर्ट में कहा गया कि टीके के खिलाफ गलत जानकारी फैलने से लोगों में इसको लेकर विश्वास घटेगा।

वैज्ञानिक अध्ययनों ने भी चेताया

शोध 1. भ्रम फैलाने का टीकाकरण पर असर पड़ा :

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए एक अध्ययन से पता लगा कि टीके के विरोध में चलने वाले सोशल मीडिया अभियानों का उसके टीकाकरण पर असर पड़ता है। शोधकर्ता स्टीव विल्सन का कहना है कि इस तरह कोरोना का टीका लगवाने को लेकर लोगों में डर बढ़ेगा।

शोध 2. कोरोना पर झूठ फैलाने में ट्रंप की भूमिका

अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप महामारी के दौरान कोविड -19 पर गलत सूचनाएं फैलाने में दुनिया में सबसे बड़े संचालक साबित हुए। शोध में पाया गया कि टीके को लेकर चला रहा दुष्प्रचार पहले वायरस के खिलाफ जारी था।

शोध 3 : अधिकांश आबादी टीका लगवाने को राजी नहीं

अंतरराष्ट्रीय मार्केटिंग रिसर्च फर्म आईपीएसओएस के अक्तूबर में किए सर्वे के मुताबिक, फ्रांस में 54%, अमेरिका में 44%, कनाडा में 32% लोग ही कोरोना का टीका लगवाने को राजी हैं। यानी ज्यादातर देशों में आबादी का बड़ा हिस्सा टीके को लेकर आशंकित है।

# साप्ताहिक राशि भविष्यफल

**मेष** : सप्ताह का पहला दिन पहली राशि मेष के लिए शुभ समाचार लेकर आ रहा है। इस सप्ताह आप प्रसन्न रहेंगे। पुरानी बातों को भूलकर नए जीवन की शुरुआत करेंगे। आर्थिक मामले सुलझेंगे और आपको अचानक कहीं से धनलाभ होने की संभावना है। परिवार में माहौल शांतिपूर्ण रहेगा।

**वृषभ** : आपको इस सप्ताह पारिवारिक कार्यो से भागदौड़ करना पड़ेगी, लेकिन सुखद यह है कियह दौड़ शुभ कार्यो में रहेगी। परिवार में कोई मंगल प्रसंग आएगा। धन-संपत्ति के मामले में प्रॉफिट में रहेंगे। कारोबार ठीक चलेगा। नौकरीपेशा लोगों को भी उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। संतान पक्ष के कार्यो से यात्राएं करना पड़ सकती है।

**मिथुन** : पारिवारिक और सामाजिक जीवन में किसी मांगलिक प्रसंग में शामिल होने का अवसर आएगा। आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी। पैसों की आवक अच्छी तरह होती रहेगी। संभव है किआप भूमि, संपत्ति खरीदने की योजना बनाएं। भौतिक सुख सुविधाएं प्राप्त होंगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, बस बाहरी खानपान का ध्यान रखना है।

**कर्क** : मानसिक और शारीरिक रूप से आप थोड़ा परेशान रह सकते हैं। काम अटकने के कारण मानसिक तनाव होगा। इस सप्ताह लंबी यात्राएं करने से बचें। धन हानि की आशंका है। सप्ताह के मध्य से जीवन को गति मिलेगी। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करनी होगी। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। फेफड़ों और श्वसन संबंधी परेशानी आ सकती है।

**सिंह** : जो भी काम करें उसे पूरे मन से करें, अन्यथा लाभ भी पूरा नहीं मिल पाएगा। आलस्य करने से काम बिगड़ जाएंगे। व्यापारी या प्राइवेट नौकरी वाले जो भी बिजनेस डील करें उसके सारे पक्ष अच्छे से समझ लें। प्रॉपर्टी के किसी दस्तावेज पर बिना सोचे-समझे साइन ना करें। आर्थिक लाभ मिलेगा, लेकिन सावधानी रखेंगे तो ही।

**कन्या** : इस सप्ताह आपको पारिवारिक कार्य से यात्राएं करनी पड़ेंगी। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होंगे। अपने मन को मजबूत रखें। छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेने की जरूरत नहीं है। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। कारोबारियों को कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। नौकरीपेशा को थोड़ी भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

**तुला** : बहुत दिनों से अटका हुआ कोई काम हो जाएगा। नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी और उसे पूरा करने को आतुर रहेंगे। धन-संपत्ति के मामले सुलझेंगे। भाई-बंधुओं से चल रहा विवाद भी अंतिम दौर में है और उम्मीद है सारे मामले ठीक से निपट जाएंगे। प्रेम संबंधों को लेकर सतर्क रहें। किसी से व्यर्थ विवाद न करें।

**वृश्चिक** : इस सप्ताह क्रोध बहुत आएगा क्योंकिचीजें आपके अनुसार नहीं चलेंगी। अटके हुए काम इस सप्ताह भी नहीं हो पाएंगे, इससे और ज्यादा तनाव में आ जाएंगे। लेकिन धैर्य रखें, जल्द ही बाधाएं दूर हो जाएंगी। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में लाभ होने के आसार बनेंगे।

**धनु** : इस सप्ताह आपके धैर्य और संयम की परीक्षा हो सकती है। किसी परिजन के कारण मानसिक तनाव हो सकता है। रोगों पर खर्च की आशंका भी है। बचत के पैसे जरूरी काम से निकालना पड़ सकते हैं। कारोबारियों का काम अच्छा चलेगा। नौकरी में तरक्की की संभावना भी है। प्रेम संबंधों को लेकर सतर्क रहें, कोई धोखा कर सकता है।

**मकर** : सप्ताह की शुरुआत अच्छी होगी और इस पूरे सप्ताह आपको पारिवारिक मेलजोल में शामिल होना पड़ेगा। परिवार में मांगलिक प्रसंग होंगे। यात्राएं और मौज-मस्ती में यह सप्ताह बीतेगा। कारोबारियों के लिए समय आगे बढ़ने का है। नौकरीपेशा को अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**कुंभ** : अटके हुए काम इस सप्ताह कुछ बन सकते हैं। यदि किसी नए काम की योजना पहले से बना रखी है तो उसे पूरा करने में जुट जाएं। समय ठीक है। आत्मविश्वास और धैर्य रखेंगे तो सभी काम अच्छे तरीके से संपन्न होंगे। दांपत्य जीवन में चल रहा मनमुटाव दूर होगा। स्वजनों से आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी।

**मीन** : यात्राओं पर व्यय होगा। पारिवारिक और प्रोफेशनल लाइफ में तालमेल बनाकर चलना होगा। स्वजनों से मनमुटाव हो सकता है। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। आय के एक से अधिक साधन प्राप्त रहेंगे। प्रॉपर्टी से लाभ कमाएंगे। बीमा-निवेश आदि से लाभ की संभावना है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें, बाकी स्थिति उत्तम है।

## चुटकुले

**टीचर:** मैं जो पूछूं, उसका जवाब फटाफट देना।
**स्टूडेंट**: जी सर।
**टीचर:** भारत की राजधानी क्या है?
**स्टूडेंट:** फटाफट।
**टीचर:** यह कैसा जवाब है?
**स्टूडेंट:** आपने ही तो कहा था कि जो पूछूं, जवाब फटाफट देना।

**पप्पू:** यार एक मच्छर बहुत देर से परेशान कर रहा है।
**राजू:** तो एक काम करो, बेड के नीचे सो जाओ।
**पप्पू (थोड़ी देर बाद):** जीने नहीं देगा, मच्छर अब टॉर्च लेकर ढूंढ रहा है।
**राजू:** अरे वो मच्छर नहीं, जुगनू है।

**डॉक्टर: रात में टेंशन लेकर नहीं सोना चाहिए।**
**मरीज: तो क्या मायके भेज दें?**

# कर्पूरी की मौत से शोक में थे लोकदल के नेता, तभी नीतीश कुमार ने लालू यादव को बनवाया नेता प्रतिपक्ष

पटना, बिहार विधानसभा में शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर आग बबूला हो गए। इस दौरान नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव को याद दिलाया कि उन्होंने ने ही उनके पिता लालू प्रसाद यादव को विधायक दल का नेता बनवाया था। यूं तो नीतीश गुस्से में आकर यह लाइन बोल गए, लेकिन इसके साथ उन्होंने 1990 के दौर के राजनीति के पन्ने को खोल गए। नीतीश कुमार के इस बयान से नए जमाने के लोगों के जेहन में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर क्या था वो दौर जिसमें नीतीश कुमार ने लालू यादव को विधायक दल का नेता बनवाया था। आइए इसे विस्तार से समझने की कोशिश करते हैं।

कर्पूरी ठाकुर की विरासत कौन संभालेगा बात 17 फरवरी 1988 का। हार्ट फेल होने से महान नेता कर्पूरी ठाकुर का निधन हो गया था। उनकी शव यात्रा में गरीबों की उमड़ी भीड़ ना केवल बिहार बल्कि पूरा देश दंग था। कर्पूरी के यूं अचानक चले जाने से लोकदल के नेता शोक में थे। पार्टी के सभी बड़े नेता इसी माथापच्ची में लगे थे कि कर्पूरी की पार्टी में कौन लेगा। देवीलाल व बहुगुणा दोनों खेमों में कर्पूरी की विरासत संभालने को लेकर खींचतान तेज हो गई थी। इसी दौरान यादव समाज अपना नेतृत्व स्थापित करना चाहते थे। उस समय यादव समाज के करीब 18 विधायक थे। संख्या के मुताबिक विधानसभा में लगभग 45 विधायक लोकदल के थे। यानी स्पष्ट था कि लोकदल का चुना गया नेता ही प्रतिपक्ष का नेता होगा और विधानसभा चुनाव के बाद संख्या बल के आधार पर उसे ही मुख्यमंत्री पद मिलेगा।देवीलाल की नजर में नहीं था कोई कद्दावर यादव नेता

बहुगुणा खेमे में कई बड़े कद्दावर यादव विधायक थे, जिनमें

विनायक प्रसाद, गजेंद्र हिमांशु और अनूप लाल यादव शामिल थे। देवीलाल के पास कोई चर्चित यादव चेहरा नहीं था, जिसे इस बड़ी जिम्मेदारी के लिए चुना जा सके। लोकदल के गैर यादव पिछड़ी जाति के विधायकों में नीतीश कुमार काफी सक्रिय थे। चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व में वे राष्ट्रीय स्तर पर युवा संगठन में पदाधिकारी रह चुके थे और कर्पूरी ठाकुर के साथ बिहार के पार्टी युवा संगठन के अध्यक्ष भी। शरद यादव, चौधरी देवीलाल के प्रतिनिधि के रूप में डेरा डाले हुए थे।

और जब नीतीश ने उछाल दिया लालू यादव का नाम

सर्वसम्मति से तय हुआ कि यादव समूह के विधायकों में जिसकी संख्या अधिक होगी, उसे ही जिम्मेदारी मिलेगी। पटना में मीटिंग की तिथि तय हो गई। नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद का नाम सुझाया, तो एक झटके में सभी आश्चर्यचकित थे। शुरू में शरद यादव को भी उनके नाम पर सहमति बनाने में परेशानी हुई। आखिरकार आधे से अधिक सजातीय विधायकों की गोलबंदी के बाद नीतीश कुमार के प्रयत्नों से यह संभव हुआ।

केंद्र में जाकर नीतीश ने लालू के लिए राह की आसान

हालांकि एक बड़ी परीक्षा से अभी गुजरना बाकी था। लोकसभा चुनाव के बाद वीपी सिंह प्रधानमंत्री बने और देवीलाल उप प्रधानमंत्री। इस बीच बहुगुणा की हृदय चिकित्सा के दौरान मृत्यु हो गई। चंद्रशेखर इस बीच वीपी सिंह के विरुद्ध काफी मुखर हो चुके थे। समूची पार्टी में संदेह एवं अविश्वास का वातावरण था। इसी माहौल में 1990 में बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा हो गई। नीतीश कुमार ने केंद्र में राज्यमंत्री पद स्वीकार कर लालू प्रसाद के लिए पहले ही रास्ता साफ कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद चुनाव के बाद जनता दल विधानमंडल के नेता पद को लेकर घमासान शुरू हो गया।

इस तरह पहली बार CM बने लालू प्रसाद यादव

जनता दल विधानसभा में 122 सीट जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरा। अब मुख्यमंत्री पद के लिए देवीलाल खेमे से लालू प्रसाद और वीपी सिंह खेमे से रामसुंदर दास आमने-सामने थे। जॉर्ज फर्नांडिस और चौधरी अजीत सिंह का भी इन्हें समर्थन प्राप्त था। चंद्रशेखर ने भी अपने विश्वासी रघुनाथ झा को उम्मीदवार बनाया। थोड़े अंतर से लालू प्रसाद चुनाव जीत गए, जिसमें निस्संदेह नीतीश कुमार के संचालन की महती भूमिका थी। मगर राज्यपाल यूनुस सलीम ने लालू प्रसाद को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने में 1 सप्ताह से अधिक का समय लगा दिया। जब देवीलाल खेमे ने राजभवन को घेरने की धमकी दी, उसके बाद ही 10 मार्च 1990 को शपथ ग्रहण को संभव हुआ।

# कोरोना के चलते रविवार को देहरादून में बंद रहेंगी दुकानें

देहरादून, कोरोना वायरस का संक्रमण उत्तराखंड में तेजी से बढ़ रहा है। वहीं सबसे ज्यादा मामले राजधानी देहरादून में आ रहे हैं। ऐसे में रविवार को देहरादून में जरूरी सेवाओं को छोड़कर सभी दुकानें बंद रहेंगी। डीएम डॉ. आशीष के श्रीवास्तव ने कहा कि जिले में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। प्रतिबंध के दौरान केवल आवश्यक वस्तुओं की बिक्री वाली दुकानें ही खुली रहेंगी। उत्तराखंड में शुक्रवार को और 530 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई जबकि संक्रमण से पांच लोगों की मौत हुई है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, 530 नए मरीजों के मिलने के साथ ही प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या बढ़कर 73,527 हो गई है।

**देहरादून में मिले 168 संक्रमित**

बुलेटिन के अनुसार, कोविड-19 के ताजा मामलों में से सर्वाधिक 168 देहरादून जिले में मिले हैं, जबकि नैनीताल में 69 केस सामने आए हैं। इसके अलावा हरिद्वार में 43, पौड़ी में 40 और पिथौरागढ़ में 25 मरीज सामने आए।

**कोरोना से 5 की गई जान, 391 मरीज हुए ठीक**

उत्तराखंड में शुक्रवार को पांच और कोविड-19 मरीजों ने दम तोड़ दिया। महामारी से अब तक प्रदेश में 1,201 मरीज जान गंवा चुके हैं। प्रदेश में शुक्रवार को 391 और मरीज इलाज के बाद ठीक हो गए। अब तक कुल 66,855 मरीज इलाज के बाद ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कुल एक्टिव केस 4812 है।

# Nivar Cyclone के बाद आंध्र के इस गांव में समुद्र किनारे मिलने लगा सोना, लोगों ने लगाई दौड़ और...

काकीनाडा, आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के एक छोटे से समुद्र तटीय गांव उप्पदा में अनोखी घटना सामने आई है। जमदानी शैली में बुनी सिल्क की साड़ियों के लिए प्रसिद्ध उप्पदा में चक्रवाती तूफान निवार के बाद लोगों की किस्मत चमक गई। शुक्रवार की सुबह नींद से जागे लोगों को समुद्र के किनारे छोटे मोतियों जैसे सोने के टुकड़े मिले। दरअसल शुक्रवार को स्थानीय मछुआरों को समुद्र तट पर छोटे मोतियों जैसे सोने के टुकड़े मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना न रहा। समुद्र किनारे सोना मिलने की बात जंगल में आग की तरह फैल गई। इसके बाद सैकड़ों लोगों ने अपनी किस्मत को परखने के लिए चक्रवाती बारिश का सामना करते हुए उप्पदा की ओर दौड़ लगा दी।

50 लोगों को करीब 3,500 रुपये का सोना मिला

स्थानीय लोगों ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि लगभग 50 लोगों को करीब 3,500 रुपये का सोना मिला है। इस दौरान कई लोगों को सोने की खोज की उम्मीद के साथ हर लहर से आई रेत को छानते हुए भी देखा गया।

सोना मिलने का रहस्य गहराया

उप्पदा में समुद्र तट पर सोने के टुकड़ों के मिलने के क्या कारण हैं, यह साफ नहीं हो सका है। हालांकि, स्थानीय पुलिस ने कहा कि समुद्र के कटाव के प्रभाव में मंदिरों के टूटने की दो हालिया घटनाएं हुई थीं। हाल के दिनों में समुद्री लहरों के प्रभाव में कई घर भी ढह गए। यह अनुमान है कि पिछले दो दशकों में लगभग 150 एकड़ भूमि समुद्री कटाव में चली गई है।

शनिवार को गांव जाएंगे राजस्व अधिकारी

एएसआई लवू राजू ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि राजस्व अधिकारी शनिवार को गांव का दौरा करेंगे और मौके का आकलन करेंगे। उन्होंने कहा कि समुद्र तट पर केवल कुछ ही लोगों ने सोना पाया है। हर कोई भाग्यशाली नहीं था।

# 'लव जिहाद' के खिलाफ बिल को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दी मंजूरी

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में कथित लव जिहाद के खिलाफ योगी सरकार के बिल को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंजूरी दे दी है। कानून विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध बिल के मसौदे को बुधवार को अनुमोदन के लिए राजभवन भेजा गया था। शनिवार को राज्यपाल से बिल को मंजूरी मिलते ही यह प्रदेश में अध्यादेश के तौर पर लागू हो गया है। योगी सरकार के इस बिल का मकसद जबरन, छल-कपट या लालच देकर होने वाले धर्मांतरण को रोकना है।

राज्यपाल से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अब इसे 6 महीने के भीतर विधानमंडल के दोनों सदनों में पास कराना होगा, जिसके बाद यह कानून रूप में प्रदेश में लागू हो जाएगा। बता दें कि उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में कथित लव जिहाद के बढ़ते मामलों को देखते हुए इसके खिलाफ कानून बनने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इस मद्देनजर हरियाणा में भी राज्य सरकार ने ड्राफ्टिंग कमिटी बनाकर कानून का प्रारूप तैयार करने को कहा है।

क्या है लव जिहाद कानून

उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश 2020 को मंजूरी दी थी। इसे ही 'लव जिहाद' कानून कहा जा रहा है।

हालांकि, कानून के प्रस्ताव में कहीं भी इस टर्म का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसे अनुचित तरीके से विवाह के लिए धर्मांतरण कराने के बढ़ते मामलों को देखते हुए तैयार किया गया है। इसमें विवाह के लिए छल, कपट, प्रलोभन या बलपूर्वक धर्मांतरण कराए जाने पर अधिकतम 10 साल के कारावास और जुर्माने की सजा का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा इस कानून के मुताबिक, धर्म परिवर्तन के लिए जिलाधिकारी से अनुमति लेनी होगी और यह बताना होगा कि धर्म परिवर्तन जबरन, दबाव डालकर, लालच देकर या किसी तरह के छल कपट से नहीं किया जा रहा है। अनुमति से पहले 2 महीने का नोटिस देना होगा। ऐसा न करने पर 6 महीने से 3 साल तक की सजा होगी, वहीं कम से कम 10 हजार का जुर्माना भी देना होगा। अगर कोई सिर्फ लड़की के धर्म परिवर्तन के लिए उसे शादी करेगा तो वह शादी शून्य मानी जाएगी, यानी उसे अमान्य माना जाएगा। अगर कोई सामूहिक धर्म परिवर्तन करवाता है तो उसे 3 साल से 10 साल तक सजा दी जाएगी। इसके अलावा कम से कम 50,000 रुपये का जुर्माना भी देना होगा। साथ ही धर्म परिवर्तन में शामिल संगठनों का रजिस्ट्रेशन कैंसल कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। कानून में नाम छिपाकर शादी करने वाले के लिए 10 साल तक की सजा का भी प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही यह अपराध संज्ञेय अपराध की श्रेणी में होगा और गैर जमानती यानी नॉन बेलिबल होगा। अभियोग का विचारण प्रथम श्रेणी मैजिस्ट्रेट की कोर्ट में होगा।

# रेलवे में नौकरी के नाम पर ठगे गए तीन युवक, बंगाल में ट्रेनिंग भी करवाई

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रेलवे में नौकरी दिलवाने के नाम ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। रेलवे में नौकरी दिलवाने के नाम ठगों ने तीन युवकों से 20 लाख रुपये ऐंठ लिए। रुपये लेने के साथ ही आरोपियों ने युवकों को फर्जी जॉइनिंग लेटर दिया और उनकी ट्रेनिंग भी करवाई थी। इसके बाद ठगी का पता चलने पर पीड़ितों ने अलीगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस के अनुसार, सीतापुर निवासी मनोज कुमार की मुलाकात डेढ़ साल पहले गाजीपुर निवासी नित्यानंद राय से हुई थी। नित्यानंद ने रेलवे में चतुर्थ श्रेणी पद पर भर्ती खुलने की बताते हुए उसकी नौकरी लगवाने की बात कही। मनोज ने रिश्तेदार चंद्रमणि, प्रवेश कुमार और अमित भार्गव को इस बारे में बताया। सरकारी नौकरी मिलने की बात सुन कर तीनों लोग रुपये खर्च करने पर राजी हुए थे।

15 लाख बैंक अकाउंट में तो पांच लाख लिए नकद पुलिस ने बताया कि नित्यानंद ने रांची डोरोडा निवासी अभिषेक राय से उनकी मुलाकात करवाई थी। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में जॉइनिंग की बात हुई। मनोज के मुताबिक वह नित्यानंद के गाजीपुर स्थित घर भी गए थे, जिसके बाद आरोपी के यूनियन बैंक कपूरथला ब्रांच के अकाउंट में 15 लाख रुपये जमा किए गए और पांच लाख रुपये नकद दिए गए थे। डीआरएम ऑफिस में स्टेनो से करवाई मुलाकात मनोज के मुताबिक रुपये देने के बाद चंद्रमणि, प्रवेश और अमित को आसनसोल स्थित डीआरएम ऑफिस ले जाया गया था, जहां उनकी मुलाकात रेलवे अधिकारी के स्टेनो से करवाई गई। स्टेनो ने बताया कि मंत्री कोटे से कुछ भर्तियां होती हैं। यह बात सुन कर वह लोग आश्वस्त हो गए थे। पश्चिम बंगाल में छह महीने की करवाई ट्रेनिंग आरोपियों ने जॉइनिंग लेटर दिए थे और साथ ही पश्चिम बंगाल में ही छह महीने की ट्रेनिंग भी करवाई थी। इसके बाद चंद्रमणि, प्रवेश और अमित को ट्रेनिंग पूरी होने की बात कह कर वापस घर भेज दिया गया। काफी वक्त गुजरने के बाद भी जब नौकरी के लिए वापस नहीं बुलाया गया। फोन करने पर नित्यानंद और अभिषेक टालमटोल करते रहे। इस पर उनको शक हुआ। छानबीन करने पर धोखाधड़ी का पता चला। अब पीड़ितों ने अलीगंज थाने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

# पीएम मोदी अहमदाबाद पहुंचे, कोरोना वैक्सीन की तैयारियों का जायजा लेंगे, हैदराबाद और पुणे सेंटर भी जाएंगे

नई दिल्ली, कोरोना वायरस महामारी को लेकर कुछ राज्यों के हालात बेहद चिंताजनक हैं। इस बीच पीएम नरेन्द्र मोदी आज अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे का दौरा करेंगे और वहां विकसित किए जा रहे कोविड-19 वैक्सीन से जुड़े कार्यों की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी है। भारत समेत पूरी दुनिया को कोरोना वैक्सीन का बेसब्री से इंतजार है।

अहमदाबाद पहुंचे पीएम मोदी

पीएम मोदी अहमदाबाद पहुंच गए हैं और वह थोड़ी देर में अहमदाबाद के पास स्थित प्रमुख दवा कम्पनी 'जाइडस कैडिला' संयंत्र पहुंचेंगे और वहां विकसित किए जा रहे कोविड-19 के टीके के बारे में जानकारी हासिल करेंगे। 'जाइडस कैडिला' का संयंत्र अहमदाबाद शहर के पास चांगोदर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है। दवा बनाने वाली कंपनी ने पहले घोषणा की थी कि कोविड-19 के संभावित वैक्सीन के पहले फेज का टेस्ट पूरा हो गया है और दूसरे फेज का टेस्ट अगस्त में शुरू किया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री सुबह करीब 9.30 बजे यहां पहुंचेंगे।

पीएमओ की ओर से किए गए ट्वीट में बताया गया था, 'शनिवार को पीएम नरेन्द्र मोदी टीका विकास और विनिर्माण प्रक्रिया की व्यक्तिगत समीक्षा करने के लिए तीन शहरों की यात्रा पर जाएंगे। वह अहमदाबाद में जाइडस बायोटेक पार्क, हैदराबाद में भारत बायोटेक और पुणे में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जायेंगे।' पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इन केन्द्रों का दौरा करेंगे और वह वैज्ञानिकों के साथ चर्चा कर अपने नागरिकों के टीकाकरण के लिए तैयारियों, चुनौतियों और प्रयासों का खाका तैयार करने के संबंध में जानकारी हासिल करेंगे।

दोपहर करीब एक बजे हैदराबाद पहुंचेंगे मोदी

उन्होंने बताया कि इसके बाद प्रधानमंत्री हैदराबाद जाएंगे जहां वह कोविड-19 का टीका विकसित कर रही कम्पनी 'भारत बायोटेक' के सेंटर का दौरा करेंगे। मोदी हैदराबाद से लगभग 50 किमी दूर 'हकीमपेट वायुसेना अड्डा' पहुंचेंगे, जहां से वह दोपहर करीब 1.30 बजे जीनोम वैली स्थित भारत बायोटेक के सेंटर पहुंचेंगे। 'भारत बायोटेक' की ओर से विकसित किए जा रहे कोविड-19 वैक्सीन के तीसरे फेज का ट्रायल जारी है। यहां करीब एक घंटे के दौरे के बाद पीएम मोदी पुणे के लिए रवाना होंगे।

# ओला-ऊबर नहीं वसूल सकेंगे ज्यादा किराया, सरकार ने जारी कीं नई गाइलाइंस

नई दिल्ली, ओला और ऊबर जैसी कैब एग्रीगेटर कंपनियां पीक आवर्स के दौरान किराए में कई गुना बढ़ोतरी कर देती हैं। लेकिन अब सरकार ने इन कंपनियों पर नकेल कसने की तैयारी कर ली है। सरकार ने शुक्रवार को ओला और ऊबर जैसी कैब एग्रीगेटर कंपनियों के ऊपर मांग बढ़ने पर किराए बढ़ाने की एक सीमा लगा दी है। अब ये कंपनियां मूल किराए के डेढ़ गुने से अधिक किराया नहीं वसूल सकेंगी।

दरअसल सरकार का यह कदम अहम इसलिए भी हो जाता है, क्योंकि लोग कैब सेवाएं देने वाली कंपनियों के अधिकतम किराए पर लगाम लगाने की लंबे समय से मांग कर रहे थे। बता दें कि ये पहली बार है जब भारत में ओला और ऊबर जैसे कैब एग्रीगेटर्स को रेग्यूलेट करने के लिए सरकार ने दिशानिर्देश जारी किए है। डेटा की सुरक्षा के लिए बनाया नियम एग्रीगेटर्स को डेटा स्थानीयकरण सुनिश्चित करना होगा कि डेटा भारतीय सर्वर में न्यूनतम तीन महीने और अधिकतम चार महीने उस तारीख से संग्रहीत किया जाए, जिस दिन डेटा जेनरेट किया गया था। डेटा को भारत सरकार के कानून के अनुसार सुलभ बनाना होगा लेकिन ग्राहकों के डेटा को यूजर्स की सहमति के बिना शेयर नहीं किया जाएगा। कैब एग्रीगेटर्स को एक 24X7 कंट्रोल रूम स्थापित करना होगा और सभी ड्राइवरों को अनिवार्य रूप से हर समय कंट्रोल रूम से जुड़ा होना होगा। बेस फेयर से 50% कम चार्ज करने की अनुमति

नियम के मुताबिक, एग्रीगेटर को बेस फेयर से 50% कम चार्ज करने की अनुमति होगी। वहीं, कैंसिलेशन फीस कुल किराए का दस प्रतिशत होगा, जो राइडर और ड्राइवर दोनों के लिए 100 रुपए से अधिक नहीं होगा। ड्राइवर को अब ड्राइव करने पर 80 प्रतिशत किराया मिलेगा, जबकि कंपनी को 20 प्रतिशत किराया ही मिल सकेगा। केंद्र सरकार ने एग्रीगेटर को रेगुलेट करने के लिए गाइडलाइन्स जारी किया है जिसका राज्य सरकारों को भी पालन करना अनिवार्य होगा। ग्राहकों की सुरक्षा का रखा गया है ख्याल मंत्रालय ने बयान में कहा है कि इससे पहले एग्रीगेटर का रेगुलेशन उपलब्ध नहीं था। अब इस नियम को ग्राहकों की सुरक्षा और ड्राइवर के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जिसे सभी राज्यों में लागू किया जाएगा। बता दें कि मोटर व्हीकल 1988 को मोटर वीइकल ऐक्ट, 2019 से संशोधित किया गया है।

# बीजेपी ने राज्यसभा के लिए सुशील मोदी के नाम का किया ऐलान तो, कैसा रहा चिराग पासवान का रिएक्शन

पटना, बिहार की एक राज्यसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए बीजेपी ने सुशील मोदी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। ये सीट एलजेपी संस्थापक रामविलास पासवान के निधन से खाली हुई है। एलजेपी के बिहार एनडीए से अलग अपने बलबूते विधानसभा चुनाव लड़ने के फैसले के साथ ही बीजेपी ने इस सीट पर अपना दावा करने का फैसला लिया। इससे पहले पार्टी ने अपने कोटे से ये सीट रामविलास पासवान को दी थी। बीजेपी ने जिस तरह से सुशील मोदी को कैंडिडेट बनाया ये चिराग पासवान के लिए बड़े झटके से कम नहीं है। वहीं, इस पूरे मामले में एलजेपी मुखिया ने चुप्पी साध ली है। राज्यसभा उम्मीदवारी पर चिराग ने साधी चुप्पी एलजेपी अध्यक्ष चिराग पासवान शुक्रवार को पटना पहुंचे। जब उनसे राज्यसभा उपचुनाव में सुशील मोदी की उम्मीदवारी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इस पर कुछ भी नहीं कहा और चुपचाप आगे बढ़ गए। वहीं, किसानों के आंदोलन और बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के बीच हुई बयानबाजी पर एलजेपी अध्यक्ष ने खुलकर अपनी बात रखी। चिराग पासवान ने कहा कि किसी को पर्सनल अटैक नहीं करना चाहिए।

# SPORTS खेल जगत

## इन तीन बदलावों से हो सकती है सीरीज में वापसी, जानें किसकी जगह देना होगा किसको मौका

सिडनी में खेले गए पहले वनडे मैच में भारत की टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 66 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम इंडिया सीरीज में 0-1 से पिछड़ गई है और खुद को सीरीज में बनाए रखने के लिए टीम को दूसरे वनडे मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। पहले मैच में जहां टीम के गेंदबाजों ने जमकर रन लुटाए, वहीं टीम का बल्लेबाजी क्रम भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सका। खुद कप्तान विराट कोहली रनों के लिए जूझते नजर आए। ऐसे में अगर भारतीय टीम को सीरीज में वापसी करनी है, तो दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में कुछ बदलाव जरूर करने होंगे। आइए एक नजर डालते हैं कि किन बदलावों के दम पर भारत दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को पटखनी दे सकता है। मयंक की जगह मनीष पांडे और केएल राहुल करें ओपन मयंक अग्रवाल को पहले वनडे मैच में बतौर सलामी बल्लेबाज आजमाया गया था, उन्होंने शुरुआत भी अच्छी की, लेकिन रनगित को बढ़ाने के चक्कर में 22 रनों के निजी स्कोर पर आउट हो गए। दूसरे एकिदवसीय मुकाबले में टीम इंडिया को मुश्किल फैसला लेते हुए मयंक को बाहर बैठाकर मनीष पांडे को टीम में शामिल करना होगा। मयंक की अनुपस्थिती में केएल राहुल शिखर धवन के साथ ज्यादा प्रभावशाली जोड़ीदार नजर आते हैं। राहुल के साथ खास बात यह है कि वह बिना कोई जोखिम उठाए मैदान के चारों तरफ शॉट्स लगाकर रनगित को बरकरार रखना जानते हैं, जिसकी शायद भारत को काफी जरूरत भी होगी। राहुल का रिकॉर्ड बतौर ओपनर हमेशा बढ़िया रहा है। मनीष पांडे के आने से टीम के मिडिल ऑर्डर को मजबूती मिलेगी, क्योंकि श्रेयस अय्यर भी इस समय अपनी फॉर्म को खोज रहे हैं। पांडे के प्रदर्शन आईपीएल में अच्छा रहा था और उनके पास ऑस्ट्रेलिया में खेलना का अनुभव भी है। आंकडों की बात करें तो मनीष ने ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर वनडे में 2 पारियों में 110 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतकीय पारी भी शामिल है। दूसरी बात यह भी है कि मनीष पांडे के पास मिडिल ऑर्डर में खेलना का अच्छा अनुभव मौजूद है, जबकि केएल राहुल दबाव की स्थिती में अबतक मिडिल ऑर्डर में उतने कारगर साबित नहीं हुए हैं। कुल्चा की जोड़ी कर सकती है कमाल पहले वनडे में युजवेंद्र चहल की काफी पिटाई हुई थी और उन्होने अपने 10 ओवर में 89 रन लुटाए थे। जबकि दूसरे स्पिनर की भूमिका निभा रहे रविंद्र जडेजा भी रनों पर लगाम लगाने में नाकाम रहे थे। चहल आमतौर पर विकेट दिलाने वाले गेंदबाज के तौर पर जाने जाते हैं और कह सकते हैं कि उनका दिन अच्छा नहीं था। दूसरे वनडे मुकाबले में कप्तान विराट कोहली जडेजा की जगह कुलदीप यादव को आजमाने की सोच सकते हैं, क्योंकि चहल और कुलदीप की जोड़ी का रिकॉर्ड साथ में खेलते हुए बेहद शानदार रहता है। कुल्चा की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को पहले भी काफी परेशान कर चुकी है। कुलदीप यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए 15 मैचों में 22 विकेट निकाले हैं और उनका इकॉनमी भी अच्छा रहा है। नवदीप सैनी की जगह काम आ सकता है शार्दुल ठाकुर का अनुभव नवदीप सैनी के पास भले ही तेज गति मौजूद हो, लेकिन पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों के सामने उनकी एक नहीं चली थी। सैनी ने अपने 10 ओवर में 83 रन लुटाए थे, जबकि सिर्फ एक विकेट अपने नाम कर सके थे। सैनी की जगह शार्दुल ठाकुर एक बेहतर विकल्प नजर आते हैं। शार्दुल ने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी ही सरजमीं पर काफी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन भी किया था और वह बढ़िया बल्लेबाजी करने में भी सक्षम हैं।

## टीम इंडिया पर भड़के हरभजन सिंह, बताया इस वजह से मिली पहले वनडे मैच में हार

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए पहले वनडे मैच में भारत की टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 66 रनों से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कप्तान आरोन फिंच और स्टीव स्मिथ ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली, जबकि मैक्सवेल ने आखिरी के ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 374 के मजबूत टोटल तक पहुंचाया। जवाब में हार्दिक पांड्या (90) और शिखर धवन (74) की पारियों के बावजूद भी भारतीय

टीम 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 308 रन ही बना सकी। ऑफ स्पिन गेदबाज हरभजन सिंह टीम के प्रदर्शन से नाखुश नजर आए और उन्होने हार के लिए भारत की फील्डिंग को जिम्मेदार ठहराया है। इंडिया टुडे के साथ बातचीत करते हुए हरभजन सिंह ने कहा, 'चीजें भारत के पक्ष में नहीं गई। मैं यह जरूर कहूंगा कि भारत ने टुकडों में अच्छी क्रिकेट खेली, लेकिन टीम की फील्डिंग काफी खराब रही, बहुत मिसफील्ड हुए, बहुत कैच भी छूटे। इंटरनेशनल क्रिकेट में आप आपकी तरफ आने वाली हर कैच को पकड़ना चाहते हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि ऐसा हो नहीं सका। अगर टीम के फील्डर गेंदबाज को सपोर्ट नहीं करेंगे तो गेंदबाज को चोट पहुंचेगी।

यही हुआ है आज।' हरभजन सिंह ने गेंदबाजो की बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मोहम्मद शमी को छोड़कर सभी का काफी मुश्किल दिन रहा। यह पहला मुकाबला था और आपको ऑस्ट्रेलया में खेलने के लिए वहां के बाउंस और कंडिशंस से एडजस्ट होना पड़ेगा। आपको किन लेंथ पर गेंदबाजी करनी है। तो भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत के ओवरों में नई गेंद से शॉर्ट गेंदें फेंकी।

आपको शुरुआत में विकेट चटकाने के लिए फुल लेंथ पर गेंदबाजी करनी होती है, जो की आज नहीं हुआ और यही वजह रही कि ऑस्ट्रेलिया बोर्ड पर इतने रन लगाने में कामायब रहा, जिसने चेस के दौरान भारत के जीतने के चांस को कम कर दिया।'

## हार्दिक पांड्या या मनीष पांडे किसको मिलनी चाहिए वनडे टीम में जगह? जानें गौतम गंभीर का जवाब

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को 66 रनों से हराया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कप्तान आरोन फिंच और स्टीव स्मिथ ने शानदार सेंचुरी लगाई, जबकि एडम जम्पा ने गेंद से चार विकेट अपने नाम किए। गेंदबाजी में रन लुटाने के बाद भारत के बल्लेबाज भी इस मैच में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। टीम की तरफ से हार्दिक पांड्या ने सबसे ज्यादा 90 रन बनाए, जबकि शिखर धवन ने 74 रनों की पारी खेली। वनडे सीरीज की शुरुआत होने से पहले प्लेइंग इलेवन में हार्दिक पांड्या और मनीष पांडे की जगह को लेकर काफी बहस चल रही है, कई दिग्गज क्रिकेटरों ने बतौर बल्लेबाजी नंबर छह पोजिशन के लिए मनीष पांडे का पक्ष लिया है। इसी बीच, गौतम गंभीर ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। ईएसपीएन क्रिकइंफो की एक वीडियो में गंभीर ने बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि इस बात का आईपीएल में फॉर्म से काफी लेना देना है, क्योंकि अगर आप देखेंगे तो हार्दिक नंबर छह पर बल्लेबाजी कर रहे थे, जबकि मनीष पांडे नंबर तीन पर। अगर आप पांडे को नंबर छह पर पुश करेंगे तो आपको उस खिलाड़ी को ड्रॉप करना पड़ेगा, जिसने आईपीएल में इस नंबर पर काफी अच्छी फॉर्म दिखाई है और यह बिल्कुल सही नहीं होगा। यह एक सही सवाल है कि क्या वह 50 ओवर की क्रिकेट में एक बल्लेबाज के तौर पर फिट बैठते हैं, लेकिन वही उनकी हालिया फॉर्म ने उनको नंबर छह पर खेलने का मौका दिया।' गंभीर ने कहा कि नंबर छह के स्थान पर पांड्या को जगह मिलनी चाहिए क्योंकि इस नंबर पर बड़े हिटर और मैच फिनिशर की जरूरत होती है और मनीष पांडे एक मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज हैं, जिनका कॉम्पिटेशन श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों से है। उन्होंने कहा, 'यह बैटिंग पोजिशन की भी बात है। अगर श्रेयस अय्यर अच्छा नहीं कर रहे हैं, तो आप मनीष पांडे जैसे बल्लेबाज को नंबर चार पर

बल्लेबाजी करवा सकते हैं, लेकिन अगर नंबर छह की बात आती है तो मैं हार्दिक पांड्या के साथ जाना पसंद करूंगा।

# देश परदेश

## कोविड-19: विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या 6.16 करोड़ के पार

विश्व भर में कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 6.16 करोड़ से अधिक हो गई है और इस महामारी से अब तक 14.42 लाख से ज्यादा लोगों की मौत भी हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व के 191 देशों में कोरोना वायरस से अब तक 6,16,45,535 लोग संक्रमित हुए हैं और 14,42,664 लोगों की मौत हुई है। कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित अमेरिका में अब तक 1.30 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 2,64,858 मरीजों की मौत हुई है। भारत में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 41,322 नए मामले सामने आए और संक्रमितों की संख्या 93.51 लाख के पार पहुंच गयी। वहीं स्वस्थ होने वालों की संख्या 87.59 लाख से अधिक हो गयी है, जबकि 485 और मरीजों की मौत के साथ ही मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,36,200 हो गया है। देश में इस समय कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 4.54 लाख है। ब्राजील में कोरोना संक्रमितों के मामले में तीसरे स्थान पर और इससे मुक्ति पाने और मृतकों के आंकड़े में दूसरे स्थान पर है। इस देश में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 62.38 लाख से पार हो गयी है जबकि 1,71,974 लोगों की मौत हो चुकी हैं। फ्रांस में करीब 22.48 लाख लोग प्रभावित हैं और 51,999 मरीजों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 21.96 लाख को पार कर गई है और अब तक 38,175 लोगों की मौत हो गई है। स्पेन में इस महामारी से अब तक 16.28 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 44,668 लोगों की मौत हुई है। ब्रिटेन में अब तक 15.93 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 57,648 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में करीब 15.38 लाख लोग संक्रमित हुए हैं तथा 53,677 लोगों की मौत हुई है। अर्जेंटीना में कोविड-19 से अब तक 14.07 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 38,216 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया में इस जानलेवा वायरस से अब तक 12.90 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 36,214 लोगों ने जान गंवाई है। मेक्सिको में कोरोना से अब तक 10.78 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 104,242 लोगों की मौत हो चुकी है। जर्मनी में इस वायरस की चपेट में करीब 10.38 लाख लोग आ चुके हैं तथा 16,011 लोगों की मौत हुई है। पोलैंड में संक्रमण के 9.58 लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं तथा 16,147 लोगों की मौत हो गई है। पेरू में इस वायरस से अब तक 9.56 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 35,785 लोगों की मौत हो चुकी है। ईरान में इस महामारी से अब तक 9.22 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 47,095 लोगों की मौत हो गई है। दक्षिण अफ्रीका में 7.81 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 21,378 लोग काल के गाल में समा गए हैं। यूक्रेन में संक्रमितों की संख्या 7.12 लाख से अधिक हो गई है तथा 12,476 लोगों की मौत हो चुकी है। बेल्जियम में कोरोना से 5.70 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 16,339 लोगों की मौत हो चुकी है। तुकीर् में कोरोना से अब तक 5.48 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 13,191 लोगों की मौत हुई है। चिली में कोरोना से 5.47 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 15,278 लोगों की मौत हुई है। इराक में संक्रमितों की संख्या 5.47 लाख से अधिक और मृतकों का आंकड़ा 12,167 तक पहुंच गया है। इंडोनेशिया में संक्रमितों की संख्या 5.22 लाख से अधिक हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा 16,521 तक पहुंच गया है। नीदरलैंड में कोरोना से 5.17 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 9,343 लोगों की मौत हुई है। चेक गणराज्य में संक्रमितों की कुल संख्या 5.15 लाख से अधिक हो गई है और मृतकों का आंकड़ा 7,967 तक पहुंच गया है।

## विपक्ष के नेता से मिलने से पहले ही बयान हो गया जारी, ट्रूडो के लिए शर्मिंदगी का सबब

कैनेडा के पीएमओ की ओर से एक नोट जारी किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा कहा गया है कि विपक्षी पार्टी और उनके नेता कोविड को लेकर ग़लत जानकारी फैला रहे थे। लेकिन इस बयान को लेकर एक गड़बड़ है वो ये कि ये बयान उन दो नेताओं की होने वाली बातचीत से पहले ही जारी कर दिया गया। बाद में पीएमओ ने शर्मिंदा होकर उसके लिए स्पष्टीकरण दिया है कि ये ड्राफ़्ट ग़लती से लोगों तक पहुंच गया।

बातचीत का वास्तविक विवरण कहीं अधिक सौहार्दपूर्ण था, उसमें कहा गया कि बातचीत में कोविड -19 महामारी पर चर्चा की, साथ ही कनाडा में वैक्सीन वितरण की भी चर्चा की। मूल रीडआउट जिसमें संसद के कनजरवेटिव पार्टी के सदस्यों द्वारा कोरोना वायरस को लेकर प्रसारित की जा रही सूचनाओं को लेकर चिंता जताई गई थी. उसे बातचीत शुरू होने के 45 मिनट पहले ही भेजा गया था, बल्कि अंतिम सुलहनीय संस्करण को देश शाम भेजा गया था। कैनेडा पीएमओ से ये बड़ी गलती भी उसी समय हुई जब जस्टिन ट्रूडो की सरकार कोरोना महामारी में धीमी गति में काम करने को लेकर आलोचना का सामना कर रही है. वैक्सीन की समय पर खरीद और देश के भीतर विनिर्माण सुविधाओं की कमी के संबंध में और आयात पर निर्भरता के लिए सरकार की आलोचना की जा रही है। ये मामला शुक्रवार को ज्यादा बढ़ गया जब देश ने एक दिन में अपने सबसे अधिक 5,963 मामले दर्ज किए जिससे कैनेडा में कोरोना मामलों का आंकड़ा 358,774 तक पहुंच गया जहां अब तक कोविड-19 से 11,894 लोगों की मौत हो चुकी है. ट्रूडो ने अब कनाडाई लोगों को आश्वासन दिया है कि वे सभी जो टीकाकरण करना चाहते हैं, वे अगले साल सितंबर तक एक टीका प्राप्त कर सकेंगे, जबकि सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि 2021 की पहली तिमाही तक खुराक मिलने लगेगी। उन आश्वासनों के रूप में सरकार ने भी घोषणा की कि एक सैन्य कमांडर बड़े पैमाने पर वितरण प्रयास का नेतृत्व करेगा। मेजर-जनरल डेनी फोर्टिन,

वर्तमान में कनाडाई संयुक्त संचालन कमान के कर्मचारियों के प्रमुख, को यह कार्य दिया गया है, इसके अलावा राष्ट्रीय संचालन केंद्र की नई इकाई को कनाडा की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी के भीतर स्थापित किया गया है।

## नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का चीन को झटका, कहा- मेरी पार्टी पॉलिटक्स से दूर रहें

नेपाल ने चीन को झटका देते हुए देश की राजनीति से दूर रहने की सलाह दी है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पिछले हफ्ते चीनी राजदूत होउ यान्की से कहा कि वह अन्य देशों से बिना किसी सहायता के अपनी पार्टी के भीतर चुनौतियों को संभालने में सक्षम हैं।

नाम न जाहिर करने की शर्त पर अधिकारियों ने बताया कि ओली की टिप्पणी,उनकी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) में होने वाली घटनाओं के कारण हो सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पा कमल दहल 'प्रचंड' के नेतृत्व में पार्टी का एक गुट ओली के विरोध में है। एचटी की खबर के अनुसार, ओली ने अपने समर्थकों से कहा था कि वह पार्टी में विभाजन के लिए तैयार हैं। चीन इसको टालने के लिए काम कर रहा है। चीन को अतीत में एनसीपी में एक शांतिदूत की भूमिका निभाते देखा गया है।

चीन को लेकर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के रुख में बदलाव ऐसे समय में आया है जब वह नई दिल्ली के साथ संबंधों को सुधारने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं और कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख पर दोनों देशों के मतभेदों पर चर्चा शुरू करने के लिए मिल रहे हैं। भारत में नेपाल के एक राजदूत ने कहा कि पीएम ओली के दृष्टिकोण में बदलाव को राष्ट्रवादी एजेंडे को पुनः प्राप्त करने का प्रयास माना जा सकता है जो 2018 में उनकी जीत से पहले उनके अभियान का मुख्य आधार था।

दिलचस्प बात यह है कि चीनी रक्षा मंत्री जनरल वेई फ़ेंगहे सप्ताहांत में नेपाल का दौरा कर रहे हैं और उम्मीद है कि वह एनसीपी के मामलों से जुड़ी कुछ बातचीत कर सकते हैं। काठमांडू के एक राजनयिक ने कहा, "जनरल वेई सेना के मुख्यालय में चार घंटे बिताएंगे।"

# लक्की हाश्मी के निर्देशन में बनी शार्ट फिल्म "व्हाई" का मोशन पोस्टर हुवा रिलीज़!

पिछले 8 महीनों से बॉलीवुड उतार-चढ़ाव का सामना कर रहा है।

कोरोना महामारी के साथ-साथ सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के मामले ने देश को झकझोर कर रख दिया। सुशांत सिंह तो एक प्रतीक था जिसके द्वारा आत्महत्या का कदम उठाना बॉलीवुड की एक कड़वी सच्चाई था। सच्चाई इसलिए क्योंकि इस मायानगरी में ऐसे कई कलाकार हैं जो सुशांत सिंह की तरह कभी भी आत्महत्या करने जैसा कदम उठा सकते हैं।

ऐसे हताश कलाकारों को सचेत करने और उन्हें सही रास्ते पर लाने के मकसद से ही निर्देशक लक्की हाशमी ने शॉर्ट स्टोरी 'व्हाई- डेथ इज नॉट जस्टिस' तैयार की है जिसमें संतोष राज और रोहित राजावत मुख्य भूमिका में हैं।

राइट चॉइस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म के जरिए दर्शकों को यह बताने की कोशिश की गई है कि अर्श से फर्श पर पहुंचे कलाकारों के लिए आत्महत्या का रास्ता चुनना कोई समाधान नहीं है। निर्देशक लकी हाशमी कहते हैं कि फ़िल्म का क्लाइमेक्स सस्पेंस से भरा है।

बॉलीवुड के कलाकार जिस तरह के हालात से गुजर रहे हैं, उनके लिए यह कहानी रामबाण औषधि से कम नहीं। फ़िल्म बॉलीवुड के दो कलाकारों अजय और सूरज के इर्दगिर्द घूमती है जिन्होंने कभी सफलता की बुलंदियों को छुआ लेकिन आज उनकी मार्किट वैल्यू डाउन है। ऐसी मनोदशा में दोनों आत्महत्या करने का फैसला करते हैं।

अब सवाल यह उठता है कि क्या अजय और सूरज आत्महत्या करते हैं या फिर उनकी जिंदगी में एक नया उजाला आता है! इस सवाल का जवाब फिल्म देख कर ही पता चलेगा, संतोष राज द्वारा लिखा गया इस फिल्म को सिनेमेटोग्राफी किया है अमित अंसु ने यह फिल्म बहुत जल्द यह क्रिसमस से पहले देखने को मिलेगी राइट चॉइस एंटरटेनमेंट के यूट्यूब चैनल पे।

# कियारा आडवाणी की फिल्म इंदू की जवानी पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, जानें पूरा मामला

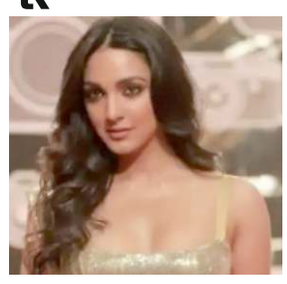

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी नई फिल्म इंदू की जवानी को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में कियारा, आदित्य सील के अपोजिट नजर आएंगी। कोरोना महामारी के दौर में यह फिल्म सीधे सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने इस फिल्म पर कैंची चलाई है।

हिन्दुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीएफसी ने फिल्म के कुछ डायलॉग में बदलाव करने के लिए कहा है। बोर्ड ने हरामजादे शब्द को आतंकवादी शब्द से बदला है। इसके साथ ही फिल्म के एक डायलॉग में दिल्ली में महिलाओं के प्रति क्राइम का जिक्र था। इस लाइन को भी डिलीट किया गया है। इसकी जगह 'क्राइम अगेन्स्ट वुमेन आज कल जितना हो रहा है न उसका कोई जवाब नहीं है तुम्हारे पास। टॉलरेंट के नाम पर तो फ्रॉड हो तुम लोग।' लाइन कर दी गई है।

# Coolie No 1 Trailer: बेहद मजेदार है वरुण धवन और सारा अली खान की कॉमेडी

वरुण धवन और सारा अली खान की फिल्म कुली नंबर 1 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म का ट्रेलर कॉमेडी से भरपूर है। ट्रेलर में वरुण धवन की कॉमिक टाइमिंग कमाल की दिखाई दे रही है। वहीं, सारा अली खान की कॉमेडी और क्यूटनेस काफी अच्छी लग रही है।

ट्रेलर देखने से पता चलता है कि डायरेक्टर डेविड धवन ने फिल्म को एंटरटेनिंग बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। फिल्म का पिक्चराइजेशन कमाल का है। वरुण धवन अलग-अलग कैरेक्टर में नजर आ रहे हैं। परेश रावल ने सारा अली खान के पिता का रोल निभाया है। वहीं, जॉनी लीवर कॉमेडी भी हंसने पर मजबूर कर रही है।

मालूम हो कि यह फिल्म 1 मई को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना वायरस की वजह से टाल दी गई। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म को ओटीटी प्लैटफॉर्म पर अमेजन प्राइम पर रिलीज करने का निर्णय लिया था। फिल्म में परेश रावल, जावेद जाफरी, जॉनी लीवर और राजपाल यादव भी दूसरे कलाकारों के साथ नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख ने किया है। 25 दिसंबर 2020 को अमेजन प्राइम वीडियो पर फिल्म कुली नंबर 1 को रिलीज किया जाएगा।

यह फिल्म साल 1995 में आई कुली नंबर 1 का रीमेक है। इस फिल्म में गोविंदा और करिश्मा कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को भी डेविड धवन ने डायरेक्ट किया था। हालांकि, वरुण ने एक इंटरव्यू में कहा था कि यह फिल्म पुरानी वाली से काफी अलग होगी।

# प्रेग्नेंसी में काम करने पर करीना कपूर बोलीं- यह कोई बीमारी नहीं है, मैं घर पर नहीं बैठ सकती

करीना कपूर खान प्रेग्नेंसी में भी काम कर रही हैं। उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान ही फिल्म लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग की है। अब हाल ही में करीना ने एक इंटरव्यू में बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान काम करना कुछ गलत नहीं है। करीना ने यह भी कहा कि परिवार ने उन्हें घर पर रहने को कहा, लेकिन तब भी उन्होंने काम करना जरूरी समझा क्योंकि उन्हें अपने कमिटमेंट्स पूरे करने थे। करीना ने कोविड के बीच काम करने को लेकर कहा, सभी सेफ्टी के साथ काम करने में कुछ गलत नहीं है। प्रेग्नेंसी कोई बिमारी नहीं है और मैं इस बात को बिल्कुल मानती हूं कि इस मुश्किल समय में हमें खुद को प्रोटेक्ट रखना होगा।

मैं चीजों को हल्के में नहीं ले सकती यह कहकर कि मैं काम नहीं कर सकती क्योंकि ऐसी सिचुएशन है। मैं ऐसी नहीं हूं। हां, मेरे पेरेंट्स और बाकी सभी ने मुझे घर पर रहने को कहा, लेकिन मैं घर पर नहीं बैठ सकती। मुझे काम करना पसंद है।

# ड्रग्स केस में नाम आने के बाद क्या अब कपिल शर्मा शो में नजर नहीं आएंगी भारती सिंह

भारती सिंह को ड्रग्स केस में जमानत मिल गई है, लेकिन लगता है कि अभी भी उनकी मुश्किलें कम नहीं होने वालीं। खबर आ रही है कि भारती सिंह को कपिल शर्मा शो से बैन किया जा रहा है। लेकिन कपिल ऐसा नहीं चाहते हैं। हालांकि इस बारे में अभी तक शो के मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

दरअसल, स्पॉटबॉय की रिपोर्ट के मुताबिक, शो के मेकर्स ने डिसाइड कर लिया है कि भारती को शो से बाहर निकाल दिया जाए। कपिल शर्मा शो एक फैमिली शो है। उन्हें दर्शकों की हंसी चाहिए बिना किसी कॉन्ट्रवर्सी के। बता दें कि हाल ही में भारती की वजह से कपिल शर्मा को ट्रोल किया गया था। एक यूजर ने कमेंट किया था कि भारती सिंह की तरह कपिल शर्मा भी ड्रग्स का सेवन करते हैं। यूजर ने लिखा था, 'भारती का क्या हाल हुआ? जब तक पकड़ी नहीं गई, ड्रग्स नहीं लेती थी। वही हाल आपका है शायद, जब तक पकड़े नहीं जाओगे।'कपिल शर्मा ने इसपर पलटवार करते हुए लिखा था, 'पहले अपने साइज की शर्ट सिलवा मोटे।' हालांकि, बाद में कपिल शर्मा ने अपना यह ट्वीट डिलीट कर दिया। बता दें कि जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया था कि एक गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार को एनसीबी ने बॉलीवुड जगत में ड्रग्स के सेवन की जांच के सिलसिले में सिंह के घर और कार्यालय की तलाशी ली और इस दौरान उनके घर से 86.5 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। एनसीबी की एक विज्ञप्ति में पहले बताया गया था कि भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया ने गांजे का सेवन करना स्वीकार किया है। ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा था कि सिंह के घर से कथित तौर पर बरामद मात्रा कानून के तहत "छोटी मात्रा" है। एक हजार ग्राम गांजे तक को छोटी मात्रा माना जाता है और इसके लिए छह महीने तक की जेल या 10,000 रुपये का जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। वाणिज्यिक मात्रा (20 किलोग्राम या इससे अधिक) होनेपर 20 साल तक की जेल हो सकती है। इसके बीच की मात्रा के लिए 10 साल की जेल की सजा हो सकती है।

# जब गौरी करती थीं पार्टी, तब सुहाना, अनन्या और शनाया का घर पर ध्यान रखते थे शाहरुख खान

शाहरुख खान को अपने तीनों बच्चों से बहुत प्यार है। वह हमेशा तीनों को लेकर काफी प्रोटेक्टिव रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब गौरी खान पार्टी करती थीं तब शाहरुख सुहाना के साथ-साथ उनकी दोस्तों का भी घर में ध्यान रखते थे। संजय कपूर की पत्नी महीप ने यह खुलासा किया है। दरअशल, एक रिएलिटी शो में महीप ने बताया कि लंदन में जब वह गौरी, चंकी पांडे की पत्नी भावना और नीलम कोठारी पार्टी में बिजी रहती थीं तब शाहरुख घर पर सुहाना, शनाया कपूर और अनन्या पांडे का ध्यान रखते थे।

अनन्या और शनाया का शाहरुख के साथ अच्छा बॉन्ड है क्योंकि दोनों ने किंग खान के साथ खूब क्वालिटी टाइम स्पेंड किया है। शनाया को तो शाहरुख अपनी बेटी की तरह मानते हैं।

वैसे तीनों दोस्तों में से अनन्या बॉलीवुड में एंट्री ले चुकी हैं, वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो सुहाना और शनाया भी जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू करेंगी। बता दें कि शनाया ने जाह्नवी कपूर की फिल्म गुंजन सक्सेना द कारगिल गर्ल में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया है।

सुहाना खान की बात करें तो उनका एक्टिंग में काफी इंट्रेस्ट है। वह कई प्ले में एक्ट कर चुकी हैं। उनकी एक शॉर्ट फिल्म भी रिलीज हो चुकी है जिसमें उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था।

### ब्रूस ली के 80 वें जन्मदिन को चीता यज्ञेश शेट्टी ने अनोखे ढंग से जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाया

# ब्रूस ली के 80 वें जन्मदिन पर चीता यज्ञेश ने ब्रूस ली स्प्रीट से करोना वायरस को दुनिया से बाहर भगाते हुए पोस्टर का विमोचन किया

मुंबईपिछले १२ वर्षों से वर्ल्ड फेमस ब्रूस ली का जन्मदिन प्रत्येक 27 नवंबर को "चिता जीत कुन डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन"(सी जे के डी) के चेयरमैन और फिल्मों के सुप्रसिद्ध मार्शल आर्ट एक्सपर्ट चिता यज्ञेश शेट्टी द्वारा मुंबई में बड़े धूमधाम व भव्य कार्यक्रम के साथ मनाया जाता था। लेकिन करोना की वजह से इसबार वे अनोखे ढंग से ब्रूस ली ८० वां जन्मदिन अँधेरी (वेस्ट ) में 27 नवंबर 2020 को मनाया। इस अवसर पर एक पर ब्रूस ली का एक भव्य पोस्टर त्रिशान शेट्टी, हॉगकॉग के विलियम बांड,यज्ञेश शेट्टी और बच्चों द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया। जिसमें ब्रूस ली स्प्रीट तथा सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क व सेनेटाइजर के जरिये किक के जरिये कोविद -19 वायरस को दुनिया से बाहर कर दिया। तथा इस अवसर पर ५० जरुरतमंद व गरीब बच्चों को किताबें, कपड़े, खाने के पैकेट, मास्क इत्यादि मुफ्त में वितरित करके नए और अनोखे ढंग से ब्रूस ली का जन्मदिन मनाया गया। इसमें एम्टी हैंड कॉम्बेट, चिता जीत कुन डू.देसी थ्रेड डॉट कॉम, नैप्पल, स्टैंडस्टोन इंटरटेन्मेंट प्रा लिमिटेड,बॉय झोन्स इत्यादि लोगों का सहयोग मिला।

इस अवसर पर यज्ञेश शेट्टी ने कहा,"इससे पहले ग्लोबल वार्मिंग, महिला सशक्तीकरण, जंगल बचाओ, रक्तदान इत्यादि टॉपिक को लेकर ब्रूस ली का जन्मदिन मनाया था और इस बार करोना वायरस को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया है, जिससे लोगों में जागरूकता फैले और लोग सतर्क रहे और लोग सभी नियमों का पालन करे।"

भारत और विदेशों के लोगों ने भारत में ब्रूस ली की 80 वीं जयंती मनाने के लिए यज्ञेश शेट्टी को अफगान ब्रूस ली' अब्बास अलीजादा,किरसन लुमझिनोव, प्रेसीडेंट ऑफ़ कलमाकिया रशियन फेडरेशन व प्रेसीडेंट ऑफ़ फिदे (इंटरनेशनल शतरंज फेडरेशन), सिफू कॉस्मो ज़िमिक,नम्पा, इदाहो एंड एम्प्टी हैंड कॉम्बेट, यूएसए, स्टीफ़न चैपोवस्की, अभिनेता, निर्देशक, निर्माता और अध्यक्ष, नेचुरल बॉडी बिल्डिंग फेडरेशन ऑफ रशिया और सिफू फिल रॉस, अमेरिकन ईगल एमएमए और केटल बेल्स, न्यू जर्सी, यूएसए इत्यादि मार्शल आर्ट से जुडी बड़ी हस्तियों ने शुभकामनाएं दीं।

# बेटे करण और भाई बॉबी को लेकर फिल्म बनाएंगे सनी देओल!

बॉलीवुड एक्टर- फिल्ममेकर सनी देओल अपने बेटे करण देओल और भाई बॉबी देओल को लेकर फिल्म बनाने जा रहे हैं। वह इस फिल्म का निर्माण अपने प्रोडक्शन हाउस के अंडर में करेंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म के निर्देशन की कमान भी सनी देओल ही संभालेंगे। सनी देओल ने अपने बेटे करण देओल को लेकर फिल्म पल पल दिल के पास बनाई थी जो बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई थी। सनी अपने बेटे करण को एक मौका और देना चाहते हैं। वह स्क्रिप्ट की तलाश में थे और अब कहा जा रहा है कि उनकी यह तलाश खत्म हो गई है। जल्दी ही वह इस फिल्म को अनाउंस करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में सनी देओल के भाई बॉबी देओल भी नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक सनी एक ऐसी स्क्रिप्ट ढूंढ रहे थे जिसमें बॉबी और करण दोनों के लिए स्कोप हो और उन्हें यह मिल गई है। 'करण और बॉबी की इस फिल्म का डायरेक्शन सनी देओल ही करेंगे। बता दें कि बॉबी देओल ने कई सालों के गैप के बाद फिल्म रेस 3 से बड़े पर्दे पर वापसी की थी लेकिन फैन्स को यह फिल्म पसंद नहीं आई। फिल्म में उन्होंने सलमान खान और अनिल कपूर के साथ काम किया था।

# नाना-नानी बने धर्मेंद्र-हेमा मालिनी, बेटी अहाना ने दिया जुड़वा बेटियों को जन्म

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी नाना-नानी बन गए हैं। दोनों की बेटी अहाना देओल ने जुड़वा बेटियों को जन्म दिया है। अहाना ने खुद इसकी जानकारी इंस्टाग्राम के जरिए दी। अहाना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर नोट लिखा, 'हमें बहुत खुशी हो रही यह बताते हुए कि हमारी 2 बेटियां हुई हैं अस्त्रिया और आदिया। 26 नवंबर को दोनों का जन्म हुआ। प्राउड पेरेंट्स अहाना और वैभव वोहरा। एक्साइटेड भाई दारेह वोहरा।'

बता दें कि अहाना और वैभव वोहरा की शादी साल 2014 में 2 फरवरी को हुई थी। जून 2015 में दोनों के बेटे का जन्म हुआ था। मालूम हो कि ईशा की तरह अहाना भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। अहाना ने फिल्म गुजारिश के लिए संजय लीला भंसाली को असिस्ट किया था। फिल्म में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय बच्चन मुख्य भूमिका में थे। बताते चलें कि पिछले साल जून में ईशा देओल ने एक बेटी को जन्म दिया था। उन्होंने बेटा का नाम मिराया रखा है। मुंबई मिरर के साथ एक इंटरव्यू के दौरान ईशा देओले ने बताया था कि, दोनों बेटियों के नाम का कनेक्शन भगवान कृष्ण से है। उन्होंने कहा कि जब श्रीकृष्ण राधा की पूजा करते हैं तो इसे राध्या कहा जाता है जबकि मिराया श्रीकृष्ण की भक्त हैं। उन्होंने आगे कहा,' दोनों बेटियों के नाम में कुछ समानता है और मुझे सुनकर अच्छा लगता है जब राध्या और मिराया एक जैसे साउंड करते हैं।

# दीपिका पादुकोण ने ट्विटर और इंस्टाग्राम पर नाम बदलकर किया 'तारा

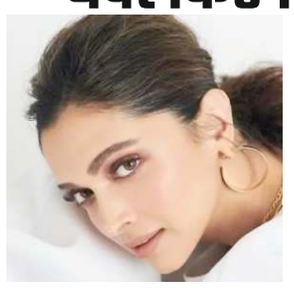

दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'तमाशा' ठीक 5 साल रहले आज की तारीख में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में दीपिका ने 'तारा' नाम की लड़की का रोल अदा किया था। इस दिन को सेलिब्रेट करने के लिए दीपिका ने अपने ट्विटर और इंस्टाग्राम हैंडल का नाम बदलकर 'तारा' कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने 'तमाशा' के 5 साल पूरे होने के मौके पर सोशल मीडिया पर फैन आर्ट्स को भी शेयर किया है।

इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म 'तमाशा' बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म में रणबीर कपूर ने वेद नाम के लड़के का रोल अदा किया था। फैन्स ने भी रणबीर और दीपिका को सरप्राइज देते हुए सोशल मीडिया पर फिल्म के नाम का हैशटैग ट्रेंड कराया है।

# दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ से जलती हैं कियारा आडवाणी, खुद बताई यह वजह

कियारा आडवाणी की फिल्म इंदु की जवानी रिलीज हो रही है। हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के दौरान कियारा ने बताया कि उन्हें दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ से जलन होती है। कियारा ने इसके पीछे की वजह भी बताई है। कियारा ने यह खुलासा करीना कपूर खान के चैट शो व्हट वुमन वॉन्ट में बताया है। कियारा ने बताया कि उन्हें दोनों की फिट बॉडी से जलन होती है।

इसके साथ ही कियारा ने यह भी बताया कि उन्हें दोनों एक्ट्रेस की हाइट भी पसंद है। कियारा ने दोनों की तारीफ भी की है कि कैसे वे वर्कआउट कर खुद को फिट रखती हैं। कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि वह सेक्स से ज्यादा बेहतरीन मानती हैं। कियारा ने इसका जवाब दिया था पिज्जा, शॉपिंग और एक अच्छी फिल्म। कियारा से इस दौरान यह भी पूछा गया कि उन्हें कोई कीट या कीड़ा बनने का मौका मिले तो वह क्या बनना चाहेंगी? कियारा इस पर जवाब देती हैं कि वह कैटरपिलर बनना चाहेंगी ताकि वह बाद में तितली बन सके। जब मरते-मरते बची थीं कियारा कियारा ने इस दौरान यह भी बताया कि जब वह कॉलेज में पढ़ती थीं, तब अपनी क्लासमेट्स के साथ वह एक ट्रिप पर गई थीं। ट्रिप पर उनके कमरे में आग लग गई थी। उन्हें लगा था कि उस दिन उनकी जान जा सकती थी। 10वीं क्लास में थीं जब पहली बार रिलेशनशिप में आई थीं दरअसल एक इंटरव्यू में कियारा ने कहा था, 'मैं 10वीं क्लास में थी जब पहली बार रिलेशनशिप में आई थी। तब मेरी मम्मी ने मुझे फोन पर बात करते हुए पकड़ लिया था। उन्होंने कहा था, तुम्हारे बोर्ड एग्जाम्स आ रहे हैं तुम अपना पूरा ध्यान सिर्फ पढ़ाई पर रखो।' कियारा ने इस दौरान यह भी कहा था कि मेरे मम्मी-पापा की लव मैरिज हुई है और दोनों एक-दूसरे के पहले गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड थे तो हमने घर में बहुत प्यार भरा माहौल देखा है। तो मैं जिसे भी डेट करती थी तो सोचती थी इसी से मैं शादी करूंगी। तो मैं प्यार और शादी में बिलीव करती हूं। कियारा से जब पूछा गया कि वह रिलेशनशिप में क्या चीज बर्दाश्त नहीं कर सकतीं? तो एक्ट्रेस ने कहा था, 'मैं किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं कर सकती।'

# वाहन चोरी रैकेट का भंडाफोड़

नवी मुंबई, कॉर्पोरेट कंपनियों और पांच सितारा होटलों में किराए पर वाहन लगाने का झांसा देकर दूसरे राज्यो में बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश नवी मुंबई क्राइम ब्रांच ने किया है। गिरोह का पर्दाफाश करने के लिए क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने वेटर बनकर मुख्य आरोपी को बेंगलुरु के एक होटल से गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो करोड़ रुपये मूल्य के 10 वाहन जब्त किए हैं। आरोपियों की पहचान सत्यप्रकाश वर्मा (30), आशीष गंगाराम पुजारी (32), गिरोह का मुख्य सूत्रधार अय्यना उर्फ राहुल उर्फ एंथोनी पॉल छेतीयर (37), मोहम्मद वसीम मोहम्मद फरीद शेख (33) और जावेद अब्दुल सत्तार शेख उर्फ मामा (47) के तौर पर हुई है।

पुलिस के अनुसार नवी मुंबई क्राइम ब्रांच को टिप मिली थी कि वाहनों को कॉर्पोरेट कंपनियों में किराए पर लगाने का झांसा देकर दूसरे राज्य में बेचकर ठगी करने वाले गिरोह का एक सदस्य बोईसर में आने वाला है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने जाल बिछाकर आरोपी सत्यप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उससे कड़ी पूछताछ में बड़े रैकेट का खुलासा हुआ। जानकारी के आधार पर मुख्य आरोपी एंथोनी पॉल छेतीयर की तलाश में क्राइम ब्रांच के सीनियर पीआई एन.बी.कोलटकर के मार्गदर्शन में एपीआई राजेश गज्जल और उनकी टीम बेंगलुरु पहुंची। वहां जिस होटल में मुख्य आरोपी एंथोनी पॉल रुका था, वहीं एपीआई गज्जल और राहुल वाघ ने वेटर का रूप धरा और पहचान पुख्ता होते ही एंथोनी को धर दबोचा। पुलिस के अनुसार एंथोनी दुबई के नंबर पर वॉट्सएप इस्तेमाल करता था, ताकि पुलिस से बचा रहे। इसके अलावा वह वॉट्सएप कॉलिंग के जरिए ही दूसरे साथियों से संपर्क करता था। पुलिस जांच यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी अलग-अलग जगहों पर कुछ महीने के लिए किराए पर कार्यालय चलाते थे। यहां लोगों से उनके वाहन कॉर्पोरेट सेक्टर और बड़े होटलों में किराए पर लगाने का झांसा देते और उन्हें कुछ महीने किराए की रकम भी देते। इसके बाद वाहन सूरत, वापी, दमन, वलसाड, अहमदबाद आदि जगहों पर बेच देते थे। ऐसे ही, वाहन बेचने वाले आरोपी मोहम्मद वसीम और जावेद को पुलिस ने सूरत से गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने अभी तक सैकड़ों लोगो के साथ ठगी की है। फिलहाल, आरोपियों के पास से पुलिस ने 10 वाहन जब्त किए हैं और अभी अन्य वाहनों की तलाश जारी है।

# मुंबई के लड़के से हुई गुजरात की कोरोना पॉजिटिव लड़की की शादी, फेरों के बाद हुए क्वारंटाइन

वलसाड। गुजरात में वलसाड के मोटा बाजार से एक शादी फंक्शन से कोरोना वायरस के संक्रमण का मामला सामने आया। यहां की एक युवती का ब्याह मुंबई के युवक के साथ हुआ।

युवती का कोरोना टेस्ट कराया गया था, जब ब्याह की रस्में निभाई जा रही थीं, तो टेस्ट की रिपोर्ट से पता चला कि वो कोरोना पॉजिटिव है। जिसके बाद दूल्हा और दुल्हन दोनों के परिजनों में हड़कंप मंच गया। दोनों परिवार असमंजस में पड़ गए। हालांकि, पंडित ने शादी की विधि पूर्ण कराई। उसके पश्चात युवती को तत्काल मंडप से उसके पिता के घर होम आइसोलेशन में भेजा गया। उधर, शादी में शरीक होने आए लोगों के कोरोना टेस्ट की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इलाके में चर्चे होने लगे। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि, वलसाड के मोटा बाजार में रहने वाले हितेश भाई गांधी की पुत्री रेनी की शादी मुंबई के युवक के साथ तय हुई थी। सगाई के बाद 10 तारीख को रेनी मुंबई में शॉपिंग के लिए गई थी। वहां से लौटने के बाद रेनी का कोरोना टेस्ट किया गया। जिसकी रिपोर्ट शुक्रवार को आई। जिसमें वह कोरोना पॉजिटिव बताई गई। तब तहसील स्वास्थ्य अधिकारी तथा फ्लाइंग स्कवॉड के युवक रेनी को ढूंढते हुए उसके घर पहुंचे। वहां पर उसकी शादी हो रही थी और मुंबई से बारात आई थी। शादी फंक्शन को देखकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों व अन्य अधिकारियों ने मानवता दिखाते हुए दोनों परिवारों को सच्चाई से वाकिफ किया।

# जल्द आए वैक्सीन!... ईश्वर से उपमुख्यमंत्री ने की प्रार्थना

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि कोविड की वैक्सीन जल्द आए। 'कार्तिकी एकादशी' के पर्व पर उन्होंने यहां भगवान विट्ठल के मंदिर में पूजा अर्चना की और कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए शीघ्र वैक्सीन आने और दुनिया से इस महामारी को मिटाने की ईश्वर से प्रार्थना की। पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा ने सोलापुर जिले के पंढरपुर में स्थित भगवान विट्ठल और देवी रुक्मिणी के मंदिर में तड़के पूजा अर्चना की। पवार ने बयान में कहा, 'पूरी दुनिया कोविड-१९ की चुनौती का सामना कर रही है। हम कुशलता के साथ चुनौती का सामना कर रहे हैं ... जल्द ही कोविड-१९ की वैक्सीन उप्लब्ध हो और दुनिया इस बीमारी से मुक्त हो।' उन्होंने कहा कि ईश्वर कोविड-१९ का संकट दूर करेंगे लेकिन लोगों को भी मास्क लगाने, हाथ धोने और भीड़भाड़ से दूर रहने जैसे एहतियाती कदमों का पालन करते रहना जरूरी है।

# आगकोट'... अस्पताल के आईसीयू में लगी आग 5 कोरोना मरीजों की झुलसकर मौत

राजकोट, गुजरात के राजकोट में शुक्रवार तड़के एक कोविड-१९ अस्पताल में भीषण आग लग गई, जिसमें पांच कोरोना वायरस के मरीज की मौत हो गई। जिसके वहां के स्थानीय लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि ये राजकोट नहीं, 'आगकोट' हो गया है। बताया जा रहा है कि कोविड-१९ अस्पताल के आईसीयू में यह आग लगी थी। फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने कहा कि आग लगने के बाद अस्पताल से अन्य तीस कोरोना वायरस के मरीजों का रेस्क्यू किया गया, जिनका इलाज चल रहा है। हालांकि, बाद में उनमें से और दो की मौत हो गई।

फायर ब्रिगेड के अधिकारी जे बी थेवा ने कहा कि मावड़ी इलाके के उदय शिवानंद अस्पताल के आईसीयू में लगभग १ बजे आग लग गई, जहां ३३ मरीजों को भर्ती किया गया था। इनमें से सात मरीजों को आईसीयू में भर्ती कराया गया था। बता दें कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस घटना में जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि आग की सूचना मिलते ही हम मौके पर पहुंचे और तीस मरीजों को बचाकर बाहर लाए, जबकि आईसीयू के भीतर तीन मरीजों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आग पर जल्द काबू पा लिया गया था और आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। रेस्क्यू किए गए मरीजों को दूसरे कोविड-१९ अस्पताल में शिफ्ट किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बता दें कि इससे पहले अगस्त में अमदाबाद में चार मंजिला प्राइवेट अस्पताल में आग लगने से आठ कोरोना मरीजों की मौत हुई थी।

# दवा के रैपर से मिला लावारिस लाश का पता

मुंबई, एक व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूद कर खुदकुशी कर ली थी। दादर रेलवे पुलिस ने उस मृत व्यक्ति के परिजनों को मृतक के बैग से मिली दवाइयों के रैपर की मदद से ढूंढ़ निकाला। पिछले हफ्ते २० नवंबर शाम साढ़े ७ बजे दादर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर ३ से एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके पर उसका बैग मिला, जिसमें एक लंच बॉक्स और कुछ दवाइयां थीं। इसके अलावा उसके पास ऐसा कुछ नहीं था, जिससे मृतक की पहचान हो सके। लेकिन एसीपी राजेंद्र पाटील के मार्गदर्शन में दादर रेलवे पुलिस ने मृतक की शिनाख्त कर ली। पुलिस को जांच में ये भी पता चला कि खुदकुशी करनेवाला उक्त अधेड़ व्यक्ति एक मनपाकर्मी था और वह पहले भी दो बार खुदकुशी की नाकाम कोशिश कर चुका था।

दादर रेलवे पुलिस के सहायक निरीक्षक अर्जुन घनवट ने 'दोपहर का सामना' को बताया कि मृतक व्यक्ति के बैग से एक लंच बॉक्स मिला था, जिस पर ललिता स्वामी लिखा था, इसके अलावा बैग में कुछ दवाइयां भी मिली थीं, जिनके रैपर केईएम अस्पताल और सायन फार्मा लिखा था। दवाइयों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस की एक टीम सायन फार्मा पहुंची और मरीज की जानकारी निकालकर उसके डॉक्टर से मिली। डॉक्टर ने उसका नाम पलानी स्वामी बताया और कहा कि वह एक मानसिक रोगी था। डॉक्टर के पास पलानी स्वामी का पता तो नहीं था लेकिन उनके फोन में एक नंबर पलानी स्वामी के नाम से सेव था। फोन करने पर वह नंबर किसी और का निकला। सामनेवाले व्यक्ति ने खुद को मनपा जल आपूर्ति विभाग में कर्मचारी बताया। पुलिस, जल आपूर्ति विभाग के भांडुप स्थित मुख्यालय भी गई लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। इसके बाद पुलिस केईएम अस्पताल पहुंची और ओपीडी से पलानी स्वामी की पावती निकाली, जिस पर उसका ७ अंकोंवाला एम्प्लॉयी कोड लिखा था। मनपा मुख्यालय में फोन करने पर पलानी स्वामी की जानकारी प्राप्त हुई और पता चला कि वह मनपा के जल आपूर्ति विभाग में काम करता था। पता मिलने के बाद रेलवे पुलिस को जांच में पता चला कि पलानी स्वामी के बारे में गुमशुदा की शिकायत वडाला टीटी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। पुलिस ने पलानी स्वामी की पत्नी ललिता स्वामी को शव दिखाया तो उन्होंने शव की पहचान कर ली।

# अजब किम की गजब कहानी!.... कोरोना रोकने के लिए फांसी का आदेश

सियोल, उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपनी उटपटांग हरकतों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। अब इस अजब किम की एक और गजब कहानी सामने आई है। किम ने कोरोना वायरस और आर्थिक क्षति से बचाव के उपाय के तहत दो लोगों को फांसी पर चढ़ाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही किम ने समुद्र में मछली मारने पर प्रतिबंध लगाने और राजधानी प्योंगयांग को बंद करने का आदेश दिया है। फिलहाल फांसी पाए दोनों लोगों की पहचान नहीं हो सकी है। यह जानकारी दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने शुक्रवार को अपने सांसदों को दी। सांसदों ने राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) की निजी बैठक में शामिल होने के बाद संवाददाताओं को बताया कि किम सरकार ने विदेशों में अपने राजनयिकों को आदेश दिया है कि ऐसे किसी भी काम से बचें जो अमेरिका को उकसाता है क्योंकि वह नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के उत्तर कोरिया के प्रति संभावित रुख को लेकर चिंतित हैं। सांसद हा टाई-क्यूंग ने एनआईएस के हवाले से बताया कि किम महामारी और इसके आर्थिक प्रभाव को लेकर काफी गुस्से में हैं और विवेकहीन कदम उठा रहे हैं।

# कोरोना को हराएगा 'प्लाज्मा दान केंद्र!'... मनपा आयुक्त ने की 'प्लाज्मा' दान करने की अपील

ठाणे, कोविड-१९ रोगियों के लिए प्लाज्मा उपचार प्रणाली वरदान साबित हो रही है। ठाणे के महापौर नरेश गणपत म्हस्के और मनपा आयुक्त के सुझाव के बाद डॉ. विपिन शर्मा की पहल से, कोविड १९ रोगियों के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के ब्लड बैंक विभाग में एक 'प्लाज्मा दान केंद्र' स्थापित किया गया है। महापौर नरेश गणपत म्हस्के और मनपा आयुक्त ने नागरिकों को प्लाज्मा दान करने की अपील की है।

स्वास्थ्य विभाग से मिली अनुमति कोविड १९ रोगियों के लिए एक प्लाज्मा दान केंद्र छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के ब्लड बैंक विभाग में शुरू किया गया है। कोरोना मुक्त रोगी के रक्त के प्लाज्मा में एंटीबॉडी होते हैं जो किसी अन्य कोरोना मरीज की बॉडी में डालने से मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। इस सुविधा के लिए केंद्र और राज्य खाद्य औषधि प्रशासन से अनुमति ली गई है। इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष कोविड १९ विभाग से वित्तीय सहायता मिली और इस सुविधा के लिए केंद्र और राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभागों से भी अनुमति ली गई है।

डॉक्टरों का कहना है

एक व्यक्ति जो कोविड से ठीक हो चुका है वह आरटी-पीसीआर परीक्षण नकारात्मक होने के २८ दिन बाद और उपचार से ४ महीने पहले तक प्लाज्मा दान कर सकता है। प्लाज्मा दानकर्ता जो कोरोना संक्रमण से उबर चुके हैं, उनका परीक्षण किया जाता है। यदि प्लाज्मा में प्रतिरक्षा (एंटीबॉडी) की सही मात्रा है तो रोगी को अपना प्लाज्मा देने से रोगी को प्रतिरक्षा विकसित करने और उसे ठीक करने में मदद मिलती है।

# महाराष्ट्र में देह व्यापार से जुड़े लोगों को दी जाएगी पांच हजार रुपये प्रति महीने की आर्थिक सहायता

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार ने देह व्यापार से जुड़े लोगों के लिए बड़ी घोषणा की। महाराष्ट्र में देह व्यापार से जुड़े लोगों को अक्टूबर से दिसंबर तक प्रति माह 5,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। जिन देह व्यापार से जुड़े लोगों के बच्चे स्कूल जाते हैं, उन्हें 2,500 रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। लगभग 31,000 लाभार्थियों की पहचान की गई है। यह घोषणा राज्य महिला और बाल विकास मंत्रालय ने की है। पालघर। पिछले साल महाराष्ट्र के पालघर जिले में अपने घर से भाग निकली 16 वर्षीया लड़की बिहार में मिली और उसे परिवार को लौटा दिया गया है। माता-पिता ने उसके नृत्य सीखने और माडलिंग करने के फैसले का विरोध किया था, जिसके बाद वह भाग निकली थी। यह लड़की पालघर जिले के वसई इलाके की रहने वाली है। पिछले साल अक्टूबर से वह गुमशुदा थी। इसके बाद पुलिस ने आइपीसी की धारा 363 (अपहरण) के तहत मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने यूट्यूब पर उसके कुछ डांस वीडियो देखे और पता चला कि वह बिहार में है।बिहार में कुछ प्रोडक्शन हाउसों में तलाशी लेने के बाद पुलिस ने उसका वाट्सएप नंबर खोजा और उसे पूर्वी चंपारण जिले में पाया। उसके साथ संपर्क करने के बाद एक पुलिस अधिकारी ने माडल की तस्वीर के साथ एक संदेश भेजा। उन्होंने खुद को एक असाइनमेंट के लिए माडल की तलाश करने वाले की तरह पेश किया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।